शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 240 | गुवाहाटी | बुधवार, 2 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है : अमित शाह पेज 2
अगर भारतीय उठेंगे, तो बांग्लादेश का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा पेज 3
पंजाब : ईसाई धर्मगुरु बंजिंदर को दुष्कर्म मामले में उम्र कैद की सजा पेज 5
विश्व मुक्केबाजी कप 2025 : लक्ष्य चाहर की हार के साथ भारत ने किया ... पेज 7

मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान का बिहाली में शुभारंभ

बिहाली (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को बिहाली में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान (एमएमयूए) का शुभारंभ किया। यह योजना राज्य की महिलाओं के व्यापक सशक्तिकरण को गति देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। पहले चरण में स्वयं सहायता समूहों की 27,04,161 महिलाओं का चयन किया गया है। अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए, डॉ. शर्मा ने 23,375 महिलाओं को सीधे 10 हजार रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की, जिससे ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक बदलाव की शुरुआत हुई। असम भाजपा के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरूवा ने कहा कि यह पहल केवल वित्तीय सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं को गरीबी और निर्भरता की बेड़ियों से मुक्त कर एक सशक्त आर्थिक भागीदार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना राज्य की सामाजिक-आर्थिक संरचना को पुनर्परिभाषित करने के लिए तैयार है, जिससे महिलाओं को उद्यमशीलता में भाग लेने और राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर मिलेंगे। इस योजना के तहत प्रारंभिक रूप से महिलाओं को 10 हजार रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी, जिससे वे अपने छोटे व्यवसाय शुरू या विस्तार कर सकेंगी। दूसरे चरण में, पहले चरण के फंड का सही उपयोग करने वाली महिलाओं को 12,500 रुपए की अतिरिक्त सरकारी सहायता और 12,500 रुपए का बैंक ऋण मिलेगा, जिससे कुल 25 हजार रुपए की सहायता -शेष पृष्ठ दो पर

लोस में आज पेश होगा वक्फ बिल, भाजपा और कांग्रेस ने जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। 02 अप्रैल यानी बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा। अभी तक की जानकारी के अनुसार यह बिल लोकसभा में दोपहर 12 बजे पेश होगा। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में विधेयक को पेश करने की जानकारी दी गई। लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश होने से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने सभी लोकसभा सांसदों को कल यानी 02 अप्रैल को संसद में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है। इधर, विपक्ष ने इस बिल पर चर्चा के लिए 12 घंटे के समय की मांग की है। वहीं, वक्फ संशोधन विधेयक पर रणनीति पर चर्चा के लिए संसद में विपक्ष की बैठक शुरू हुई। बुधवार को लोकसभा में पेश होने वाले वक्फ संशोधन विधेयक से पहले कांग्रेस ने भी अपने सांसदों को व्हिप जारी किया है और सभी को सदन में मौजूद रहने के लिए कहा है। वक्फ संशोधन विधेयक पर होने वाली चर्चा से पहले विपक्ष ने एक बैठक बुलाई है। इस बैठक में वक्फ संशोधन विधेयक पर रणनीति पर मंथन किया -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ विधेयक का विरोध करेगा विपक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। विपक्षी गठबंधन *आईएनडीआईए* के नेताओं ने मंगलवार को बैठक कर एकमत होकर सरकार की ओर से बुधवार को पेश किए जा रहे वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने का फैसला लिया है। बैठक में शामिल विपक्षी दलों के कुछ नेताओं का कहना है कि वे चर्चा में भाग लेंगे और मतविभाजन कराकर अपनी ओर से पेश किए जाने वाले संशोधनों को पारित कराने का प्रयास करेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार वक्फ संशोधन विधेयक बुधवार को लोकसभा -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने इस साल की एचएस प्रथम वर्ष की परीक्षाएं रद्द करने का सुझाव दिया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शैक्षणिक कैलेंडर पर चिंताओं का हवाला देते हुए इस साल उच्चतर माध्यमिक (एचएस) प्रथम वर्ष की परीक्षाएं रद्द करने का प्रस्ताव दिया है। सोमवार, 31 मार्च को फेसबुक लाइव सत्र के दौरान, उन्होंने जोर देकर कहा कि अप्रैल या मई में परीक्षाएं आयोजित करने से छात्रों को अपने एचएस द्वितीय वर्ष की पढ़ाई की तैयारी के लिए अपर्याप्त समय मिलेगा। शर्मा ने जोर देकर -शेष पृष्ठ दो पर

असम-नगालैंड सीमा संकट बढ़ा

मरियानी गांववालों को अपहरण और धमकी का सामना करना पड़ रहा है

जोरहाट। लंबे समय से चल रहा असम-नगालैंड सीमा विवाद उबाल पर पहुंच गया है, तथा पिछले कुछ सप्ताहों में हुई हिंसक घटनाओं के कारण जोरहाट जिले के मरियानी के निवासी नगालैंड में स्थानांतरण पर विचार कर रहे हैं। 31 मार्च की रात को हुआ नवीनतम हमला, मात्र 10 दिनों में तीसरी ऐसी घटना थी, जिससे स्थानीय लोगों में भय और बढ़ गया। सोमवार की रात सीमा पार से आए बदमाशों ने राजाबारी गांव पर हमला कर दिया, बांस की बाड़ को नष्ट कर दिया, गोलियां चलाईं और ग्रामीणों पर शारीरिक हमला किया। हमले के दौरान चार लोगों का अपहरण कर लिया गया- बिक्रम प्रधान, जॉयदीप पातर तांती, आकाश पातर तांती और संजीत पातर तांती। अपहरण के बाद, कथित तौर पर अपहृत व्यक्तियों को रिहा करने से पहले खाली कागजों पर हस्ताक्षर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सीएम ने बिजली बिल में एक रुपए प्रति यूनिट की कटौती की घोषणा की

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गर्मी के मौसम से पहले उपभोक्ताओं को राहत देते हुए बिजली दरों में कटौती की घोषणा की। एक्स पर खबर शेयर करते हुए शर्मा ने लिखा कि अप्रैल आ गया है - तापमान बढ़ेगा लेकिन आपका बिजली बिल कम हो जाएगा। आज से, असम के परिवारों को बिजली बिल में 1 रुपए प्रति यूनिट की कमी देखने को मिलेगी और साथ ही साल के अंत में छूट भी मिलेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कोई अप्रैल फूल का मजाक नहीं था। इस बीच, स्मार्ट बिजली मीटर लगाने को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विवाद छिड़ गया है। विपक्षी नेताओं का दावा है कि इन मीटरों से बिजली का बिल बढ़ जाता है, जिससे जनता पर वित्तीय बोझ पड़ता है, हालांकि राज्य सरकार ने इस आरोप का खंडन किया है। शिवसागर विधायक अखिल गोगोई -शेष पृष्ठ दो पर

मोहम्मद यूनुस के भारत-विरोधी बयान पर भड़के असम सीएम, कहा-

इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के उस बयान की निंदा की जिसमें उन्होंने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को भूमि से घिरा हुआ बताया था। शर्मा ने यह भी कहा कि यूनुस की टिप्पणी भारत के रणनीतिक *चिकन नेक* कॉरिडोर से जुड़ी लगातार कमजोरियों को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि यूनिस के ऐसे भड़काऊ बयानों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। असम के मुख्यमंत्री ने एक एक्स पोस्ट में लिखा कि बांग्लादेश की तथाकथित अंतरिम सरकार के मोहम्मद यूनिस द्वारा दिया गया बयान, जिसमें उन्होंने पूर्वोत्तर भारत के सात बहन राज्यों को भूमि से घिरा हुआ बताया है और -शेष पृष्ठ दो पर

बीरेन सिंह ने भी लगाई फटकार

इंफाल। बांग्लदेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के द्वारा अपनी चीन यात्रा के दौरान भारत को लेकर दिए गए बयान पर सियासत तेज हो गई है। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा के बाद अब मणिपुर के पूर्व सीएम एन बीरेन सिंह ने भी यूनुस के बयान पर पलटवार कर उन्हें फटकार लगाई है। बीरेन सिंह ने यूनुय के बयान को मूर्खतापूर्ण बताते हुए इस प्रकार के बयान ना देने के -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

गरिब वह है, जिसका खर्च आमदनी से ज्यादा है।
-बुएयर

न्यूज गैलरी

रास में आज और कल भोजनावकाश नहीं

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में विधायी कार्यों के महत्व को देखते हुए बुधवार और गुरुवार को भोजनावकाश नहीं होगा। यह जानकारी सभापति जगदीप धनखड़ ने आज सदन में दी। कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के बाद उसके निर्णयों के बारे में आज शाम सभापति ने सदन को सूचित किया कि लोक सभा में पारित इमिग्रेशन बिल पर 5 घंटे चर्चा होगी।

आमने-सामने से टकराईं दो रेलगाड़ियां इंजन के उड़े चिथड़े

रांची। झारखंड के बरहेट इलाके में मंगलवार की सुबह एक बड़ा रेल हादसा हुआ, जब दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गईं। यह दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि दोनों गाड़ियों के इंजन के चिथड़े उड़ गए और आग लग गई। इस हादसे में दो लोको पायलट की मौत हो गई, जबकि चार रेलकर्मी और सीआईएसएफ जवान घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब फरक्का से ललमटिया जा रही एक मालगाड़ी, बरहेट में खड़ी दूसरी -शेष पृष्ठ दो पर

2006 के फैसले का पालन हो रहा है...

डीजीपी मामले में एससी को बोली त्रिपुरा सरकार

नई दिल्ली। त्रिपुरा की सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वे डीजीपी की नियुक्ति में सर्वोच्च अदालत के आदेश का पालन कर रहे हैं। त्रिपुरा सरकार ने कहा कि उन्होंने डीजीपी की नियुक्ति की प्रक्रिया 7 मार्च से शुरू भी कर दी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने एनजीओ मोंद्रा की याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका में त्रिपुरा सरकार पर आरोप लगाया गया कि वे डीजीपी की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के पुलिस सुधार -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-चिली व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता करने पर हुए सहमत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और दक्षिणी अमेरिकी देश चिली व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता(सीईपीए) करने पर सहमत हुए हैं। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बुधवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों नेताओं ने सीईपीए वार्ता के प्रारंभ होने का स्वागत किया। इससे व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिजों, स्वास्थ्य, कृषि, जलवायु परिवर्तन और जन संबंध अधिक प्रगाढ़ होंगे। इस दौरान दोनों नेताओं ने आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। दिल्ली के हैदराबाद हाउस में वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। इसमें प्रधानमंत्री मोदी ने चिली में 4 नवंबर को राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किए जाने को प्रेरणादायक बताया। दोनों देश अंटार्कटिका में सहयोग बढ़ाने -शेष पृष्ठ दो पर

2028 में होगा ट्रंप-ओबामा का महामुकाबला!

अमेरिकी राजनीति में नई बहस

वाशिंगटन। अमेरिकी राजनीति में इन दिनों एक नई बहस छिड़ गई है। क्या 2028 में डोनाल्ड ट्रंप और बराक ओबामा आमने-सामने होंगे? इस चर्चा को उस वक्त और हवा मिली जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में एक सवाल पूछा गया कि क्या वह बराक ओबामा के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहेंगे? इस पर ट्रंप ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया *मुझे मजा आएगा!* उनके इस बयान के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है और -शेष पृष्ठ दो पर

असम दर्शन योजना : तेजपुर और जगीरोड पूजा स्थल को मंत्री पीयूष हजारिका ने वित्तीय सहायता दी

जागीरोड। असम सरकार के जल संसाधन, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री तथा मूल मंत्री पीयूष हजारिका ने आज तेजपुर स्थित जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में महत्वाकांक्षी योजना *असम दर्शन योजना* के अंतर्गत तेजपुर और जागीरोड विधानसभा का उद्घाटन किया। देश के लिए 2013-14 का बजट 100 करोड़ रुपए अनुमानित है तथा देश के लिए 2013-14 का बजट 100 करोड़ रुपए अनुमानित है। तेजपुर में बोलते हुए मंत्री हजारिका ने कहा कि नामघर और धार्मिक स्थल हमारी आध्यात्मिक विचारधारा और संस्कृति की जीवनरेखा हैं। उन्होंने कहा कि इन आध्यात्मिक संस्थानों के विकास में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के सशक्त नेतृत्व में विभिन्न ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। मंत्री ने आज तेजपुर विधानसभा क्षेत्र में 158 नामघरों और पूजा स्थलों को चेक वितरित किए। मंत्री ने आज तेजपुर विधानसभा क्षेत्र में 158 नामघरों और पूजा स्थलों को चेक वितरित किए। कुल वित्तीय सहायता 1.5 लाख रुपए है, जिसमें से प्रथम चरण में प्रत्येक को 1.5 लाख रुपए दिए जाएंगे। वर्ष 2024-2 के लिए योजना के तहत प्रत्येक को 3 लाख रुपए का अनुदान दिया -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका में स्वास्थ्य एजेंसियों पर गिरी गाज, 10000 कर्मचारियों की नौकरी खत्म

वाशिंगटन। अमेरिका के स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग (एचएचएस) में 10,000 कर्मचारियों की छंटनी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह फैसला स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर (आरएफके जेआर.) द्वारा की गई एक बड़ी सुधार योजना का हिस्सा है। इस योजना का उद्देश्य विभाग की संरचना को बेहतर बनाना और सरकारी खर्च में कटौती करना है। स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने छंटनी के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि एचएचएस एक बहुत बड़ी और गैर-जरूरी खर्च वाली संस्था बन गई थी जिससे अमेरिकी लोगों को अपेक्षित स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल रहा था। उन्होंने कहा कि इस सुधार -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति का मसौदा तैयार हो चुका है और इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि सहकारिता मंत्रालय के ध्येय वाक्य सहकार से समृद्धि को पूरा करने के लिए नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति के निर्माण की परिकल्पना की गई है। उन्होंने बताया कि सहकारी क्षेत्र के विशेषज्ञों, राष्ट्रीय, राज्य, जिला और प्राथमिक स्तर की सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के सचिव (सहकारिता) और रजिस्ट्रार सहकारी समितियों तथा केंद्रीय मंत्रालयों तथा विभागों के अधिकारियों को शामिल करके सहकारी क्षेत्र की वास्तविक क्षमता को अनलॉक करने के लिए नई सहकारिता नीति तैयार करने के लिए 2 सितंबर 2022 को सुरेश प्रभाकर प्रभु के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय स्तर की समिति का गठन किया गया था। शाह ने बताया कि समिति ने हितधारकों से सुझाव प्राप्त करने के लिए पूरे देश में 17 बैठकें कीं और चार क्षेत्रीय कार्यशालाएं आयोजित कीं। प्राप्त सुझावों को उचित रूप से मसौदा नीति में शामिल किया गया है। मसौदा नीति तैयार कर ली गई है और इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है।

वेब सीरिज देख लूट लिया बैंक, 17 किलो सोना लेकर फरार

बेंगलुरु। कर्नाटक के दावणगेरे न्यामती एसबीआई बैंक डकैती मामले में 6 महीने बाद पुलिस के हाथ सफलता लगी है। दावणगेरे पुलिस ने छह महीने बाद इस मामले का खुलासा किया और 13 करोड़ रुपए मूल्य का 17 किलोग्राम सोना जब्त किया। न्यामती कस्बे में एसबीआई बैंक से 28 अक्तूबर 2024 को चोरी हुई थी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस ने व्यापक अभियान चलाया और चोरों के गिरोह को पकड़ने में सफल रही। पुलिस ने बताया कि तमिलनाडु के मूल निवासी और वर्तमान में मदुरै, तमिलनाडु में रहने वाले 30 वर्षीय विजय और उनके भाई अजय, 28, इस डकैती के मास्टरमाइंड हैं। पुलिस ने बताया कि चोरों ने ये पहली डकैती थी। यह उनकी पहली डकैती थी। पुलिस ने बताया कि इन आरोपियों ने बेकरी व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंक से लोन के लिए आवेदन किया था। हालांकि विजय का आवेदन अस्वीकार कर दिया गया, क्यों कि उनका क्रेडिट स्कोर कम था। लोन न पास होने से परेशान होकर विजय कुमार ने वेब सीरीज देखकर बैंक डकैती की योजना बनाकर इस गिरोह का गठन किया। पुलिस ने बताया कि नेटफ्लिक्स के मनी हीस्ट ने उन्हें प्रेरित किया। डकैती के लिए करीब 4 किमी। काफी दूर से पैदल आ रहे आरोपी ने बैंक का मुख्य गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया। आरोपियों ने जिन अलमारियों में आभूषण रखे थे, उन्हें गैस कटर से काट दिया गया और 17 किलो जेवर लूटकर भाग गए थे। पुलिस ने बताया कि चोरों ने बैंक पर ढेर सारा कास्टिक पाउडर फेंककर सबूत नष्ट करने की कोशिश की थी, जिससे डकैती के बारे में कोई सुराग न मिल सके।

बीते वित्तीय वर्ष में सेवा संवर्द्धना और बुनियादी संरचना विकास में पूसीरे को बड़ी उपलब्धि

गुवाहाटी (हिंस)। बिजलीकरण, माल लोडिंग, समय की पाबंदी और बुनियादी संरचना के विकास में नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसी रेलवे) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि उल्लेखनीय प्रगति का प्रदर्शन करते हुए, पूसी रेलवे ने वर्ष 2024-25 में 1, 141.388 रूट किलोमीटर (आरकेएम) और 1, 502.743 ट्रैक किलोमीटर (टीकेएम) का बिजलीकरण सफलतापूर्वक पूरा कर चालू किया, जिससे यह किसी भी एक वित्तीय वर्ष में हासिल किया गया अब तक का सर्वाधिक होने वाला बिजलीकरण है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि रेल परिचालन को आधुनिक बनाने और दक्षता में सुधार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। माल परिवहन में, पूसी रेलवे ने माल लोडिंग में 4.21 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। वर्ष 2023-24 में 10.24 मिलियन टन (एमटी) माल लोडिंग की गई, जो 2024-25 में बढ़कर 10.67 एमटी हो गया। माल ढुलाई आय पिछले वर्ष 1, 201.224 करोड़ रुपए की तुलना में 2024-25 में 1, 299.643 करोड़ रुपए हासिल हुआ, जो साल-दर-साल 8.19 फीसदी की निरंतर वृद्धि है। इस रेलवे ने वर्ष 2024-25 में 1, 380 रेकों की आपूर्ति कर अपना सर्वश्रेष्ठ पेट्रोलियम, ऑयल और लुब्रिकेंट्स (पीओएल) लोडिंग भी हासिल किया। इसके अतिरिक्त, पूसी रेलवे ने ट्रेन के समय-पाबंद में उल्लेखनीय प्रगति की और वर्ष 2024-25 के दौरान 80.68 फीसदी के समय-पाबंद के प्रदर्शन के साथ सभी जोनल रेलवे में 7वां सर्वोच्च स्थान हासिल किया। यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए, पूसी रेलवे ने आठ नई ट्रेन सेवाएं शुरू कीं, चार जोड़ी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का विस्तार किया और चार ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ाई। इसके अलावा, सात ट्रेनों को सात स्टेशनों पर नए ठहराव प्रदान किए गए और 46 ट्रेनों की गति में सुधार करके 930 मिनट बचाए। यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, 16 ट्रेनों में स्थायी तौर पर 40 अतिरिक्त कोच जोड़े गए।

हरियाणा की मंडियों में आधी-अधूरी तैयारी : हुड्डा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि किसानों को लूटना और उनको बेवजह परेशान करना प्रदेश सरकार की नीति बन गई है। हर एक सीजन में जानबूझकर फसल खरीद शुरू करने में देरी की जाती है और तय की गई तारीख से भी खरीद शुरू नहीं की जाती। हुड्डा ने मंगलवार को चंडीगढ़ में जारी बयान में कहा कि सरकार ने एक अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू करने का ऐलान किया है। हमेशा की तरह कहीं उठान के लिए टेंडर नहीं किए गए तो कहीं अढ़तियों को बारदाना तक नहीं दिया गया। उठान नहीं होने के चलते हर बार मंडियों में फसल का अंबार लग जाता है। किसानों को अपनी फसल रखने की जगह तक नहीं मिलती।

महाकुंभ में उत्कृष्ट कार्य के लिए यूपी अग्निशमन विभाग को गोवा में मिला सम्मान

लखनऊ (हिंस)। महाकुंभ के दौरान 45 दिनों के इस दिव्य आयोजन में प्रदेश के अग्निशमन विभाग ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरे आयोजन के दौरान आग की वजह से एक भी जनहानि नहीं हुई। प्रदेश के अग्निशमन विभाग के इस उत्कृष्ट कार्य को पूरे देश में न सिर्फ सराहा जा रहा है, बल्कि पुरस्कृत भी किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को गोवा में मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने उत्तर प्रदेश के अग्निशमन विभाग की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए विभाग के अधिकारियों को सम्मानित किया। प्रयागराज के संगम तट पर विश्व के सबसे बड़े मानवीय समागम, महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया था। 40 हजार हेक्टेयर में बसे और 25 सेक्टर में बंटे महाकुंभ नगर में लगभग प्रत्येक दिन एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम तट पर आ रहे थे। ऐसे में यूपी अग्मिशमन विभाग ने अपने अत्याधुनिक उपकरणों और मुस्तैदी से महाकुंभ जैसे महाआयोजन में बिना किसी जनहानि के अग्नि दुर्घटनाओं पर काबू पाया। साथ ही लगभग 16.5 करोड़ रुपए से अधिक की धनहानि को भी बचाया। महाकुंभ में लगभग 24 बड़ी अग्नि दुर्घटनाओं के साथ 185 अग्नि दुर्घटनाओं पर काबू पाया गया। महाकुंभ में अग्निशमन के नोडल अधिकारी रहे प्रमोद शर्मा ने बताया कि गोवा के डायरेटोरेट ऑफ फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। डायरेक्टर नितिन वी रायकर ने उत्तर प्रदेश के अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को महाकुंभ में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित करने के गोवा आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री आवास पर स्वयं मुख्यमंत्री ने प्रदेश अग्निशमन विभाग की एडीजी पद्मजा चौहान, उपनिदेशक फायर सर्विस महाकुंभ अमन शर्मा, नोडल ऑफिसर महाकुंभ प्रमोद शर्मा एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रयागराज कमिश्नरेट डॉ. राजीव पांडे को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अग्निशमन विभाग के कार्यों की प्रशंसा की और महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने में विभाग की भूमिका को सराहा। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अग्निशमन अधिकारियों से महाकुंभ के लिए की गई तैयारियों और क्विक रिस्पांस के विषय में भी विस्तार से जानकारी ली। यूपी अग्नि शमन विभाग ने महाकुंभ के 45 दिनों के दिव्य, भव्य आयोजन में 185 अग्नि दुर्घटनाओं पर बिना किसी जन हानि के काबू पाया। 185 में से 24 अग्नि दुर्घटनाएं गंभीर स्थिति की थी, जिनमें काबू पाने में कुछ टेंट और तम्बू जल गये लेकिन किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। जबकि 86 के करीब छिटपुट अग्निजनित दुर्घटनाएं भी हुईं जिन पर आसानी से काबू पा लिया गया।

पृष्ठ एक का शेष

मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता ...

उपलब्ध होगी। आगामी वर्षों में यह राशि बढ़ाकर 50 हजार रुपए तक की जा सकती है। बरुवा ने कहा कि यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को विविधता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह महिला उद्यमियों को सूक्ष्म उद्यम, कृषि, पशुपालन, हथकरघा और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में अपने पैर जमाने में सहायता करेगी। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को असम की उत्पादन-आधारित अर्थव्यवस्था में एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करना है। अंत में, बरूवा ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि महिलाओं के आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

लोस में आज पेश होगा ...

जा रहा है। विपक्षी दलों के सांसदों की ये बैठक संसद में शुरू हो गई है। कल लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जाना है। बता दें कि बुधवार को लोकसभा में बिल के पेश होने से पहले बीजेपी नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। इस बीच उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर अच्छे काम का विरोध होता है। ठीक ऐसे ही वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध किया जा रहा है। उन्होंने विरोध करने वालों से पूछा कि क्या वक्फ बोर्ड ने मुसलमानों का कल्याण किया है? योगी ने आगे कहा कि इसमें सुधार समय की जरूरत है। वक्फ बोर्ड निजी स्वार्थ और सरकारी जमीन पर जबरन कब्जे का साधन बन गया है। वहीं, वक्फ संशोधन विधेयक पर भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर गलतफहमियां पैदा की जा रही हैं। कांग्रेस और अन्य दल मुसलमानों को गुमराह करने और भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे सीएए को लेकर मुसलमानों को गुमराह किया गया और शाहीन बाग में प्रदर्शन हुए, वैसे ही वही लोग वक्फ अधिनियम को लेकर मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक में कहीं भी यह नहीं कहा गया है कि मस्जिद, दरगाह और अन्य धार्मिक स्थल सरकार द्वारा छीन लिए जाएंगे। मैं यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं ताकि किसी के बहकावे में न आऊं। इस विधेयक का उद्देश्य केवल वक्फ संपत्ति पर माफियाओं के एकाधिकार को खत्म करना है।

सीएम ने बिजली बिल ...

ने सरकार पर स्मार्ट मीटर के जरिए लोगों पर अत्यधिक बिजली बिल का बोझ डालने का आरोप लगाया तथा इसे हटाने की मांग की। कांग्रेस सदस्यों सहित विपक्षी विधायकों ने हाल ही में इनके कार्यान्वयन के खिलाफ विधानसभा में विरोध प्रदर्शन किया। इस पहल का बचाव करते हुए मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि पिछले एक साल से बिना किसी बड़ी शिकायत के सभी घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि गर्मियों के दौरान बिजली का बिल अधिक आना एक सामान्य घटना है और जरूरी नहीं कि इसका संबंध नए मीटरों से हो। चिंताओं को दूर करने के लिए, हजारिका ने सुझाव दिया कि विपक्षी विधायक एक महीने के लिए अपने आवासों में एक साथ दो मीटर लगाएं ताकि रीडिंग की तुलना की जा सके और किसी भी विसंगति की पुष्टि की जा सके।

वक्फ विधेयक का ...

में पेश करेगी। आज कार्यमंत्रणा समिति में इसके लिए 8 घंटे का समय तय किया गया है। विधेयक को प्रश्न काल के तुरंत बाद पेश किया जाएगा। संसद भवन में आयोजित फ्लोर लीडर्स की इस बैठक में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, गौरव गोगोई, सपा नेता राम गोपाल यादव, राजद नेता मनोज झा, तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बेनर्जी आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) सुप्रिया सुले, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) अरविंद सावंत और अन्य दलों के नेताओं ने भाग लिया। बैठक से बाहर आने पर इन नेताओं ने संशोधन विधेयक का विरोध करने की बात कही। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विधेयक को लक्षित करके लाया गया है और यह बुनियादी तौर पर संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है। गठबंधन ने एकजुट होकर फैसला लिया है कि हम विधेयक का विरोध करेंगे। साथ ही हम समान सोच वाले दलों से अपील करते हैं कि विधेयक का विरोध करें। तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि हम चर्चा में भाग लेना चाहते हैं लेकिन भाजपा चर्चा से भाग रही है। हम सभी विधेयक में होने वाली चर्चा में भाग लेंगे और संशोधन पेश करेंगे तथा मत विभाजन की मांग करेंगे। इसी बीच सभी राजनीतिक दलों ने लोकसभा में अपनी पार्टी के सदस्यों से चर्चा के दौरान उपस्थित रहने का लिए कहा है। भारतीय जनता पार्टी और एनडीए में उसके सहयोगी दलों जिसमें जनता दल (यूनाइटेड) तेलुगु देशम पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपने सदस्यों को चर्चा के दौरान उपस्थित रहने और सरकार के पक्ष का समर्थन करने का व्हिप जारी किया है। वहीं कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी पार्टियों ने भी अपने सदस्यों को कल सदन में उपस्थित रहने और पार्टी के पक्ष का समर्थन करने के लिए व्हिप जारी किया है।

मुख्यमंत्री ने इस साल ...

कहा कि एचएस प्रथम वर्ष की परीक्षा में उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण होने से छात्र की शैक्षणिक यात्रा पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है। इसके मद्देनजर, उन्होंने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम (सेबा) से इस वर्ष परीक्षाएं आयोजित न करने पर विचार करने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने परीक्षा पेपर लीक से जुड़े हालिया मुद्दों को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त उपाय लागू किए जाएंगे।

मरियानी गांववालों को ...

करने के लिए मजबूर किया गया। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि उन्होंने कल रात हमारे चार निवासियों का अपहरण कर लिया, उनके साथ मारपीट की, उनसे कोरे कागजों पर हस्ताक्षर करवाए और फिर उन्हें छोड़ दिया। इस क्रूर हमले से क्षेत्र में व्यापक भय फैल गया है तथा निवासियों में अपनी सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। एक ग्रामीण ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि इस तरह के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई नई घटना नहीं है। नगा बदमाश लंबे समय से हमारी जमीन पर अतिक्रमण कर रहे हैं। अगर राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन हमें सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहता है, तो हमें अपनी सुरक्षा के लिए नगालैंड में स्थानांतरित होने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। निवासियों ने यह भी बताया है कि कथित नगा बदमाशों ने उन्हें धमकी दी है कि वे हिंसा के बारे में प्रेस से बात न करें। एक ग्रामीण ने बताया कि स्थानीय निवासी कर्माकर को अपने घर से भागना पड़ा, क्योंकि उसने हमलों के बारे में बताया और पत्रकारों को इसकी जानकारी दी। बदमाशों ने उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। हाल के महीनों में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, तथा ऐसी खबरें आ रही हैं कि नगा उपद्रवी लोग भूमि हड़पने के उद्देश्य से जंगलों को नष्ट करने तथा निवासियों को उनकी भूमि से भगाने के लिए असम में प्रवेश कर रहे हैं। 28 मार्च और 20 मार्च को अंतर-राज्यीय सीमा पार से आए उपद्रवियों पर क्रमश: डिसोई घाटी रिजर्व वन और तिरु हिल्स में आग लगाने का आरोप लगाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न मिलने के कारण मरियानी के निवासी अनिश्चितता और भय की स्थिति में हैं। जैसे-जैसे तनाव बढ़ता जा रहा है, मरियानी के लोग इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि क्या उन्हें सीमा पार शांति और सुरक्षा की तलाश में अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर किया जाएगा।

बीरेन सिंह ने भी ...

लिए कड़ी चेतावनी भी दी है। बता दें कि यूनुस ने हाल ही में चीन से बांग्लादेश को आर्थिक रूप से लाभ पहुंचाने की बात की थी। उन्होंने भारत के पूर्वोत्तर के सातों राज्यों को लैंडलॉक्ड (जमीन से चारों ओर से घिरा) क्षेत्र बताते हुए बांग्लादेश को हिंद महासागर का एकमात्र संरक्षक है बताया। साथ ही चीन से अपील की वो बांग्लादेश में अपनी आर्थिक गतिविधियां बढ़ाएं। मणिपुर के पूर्व सीएम एन बीरेन सिंह ने यूनुस के बयान पर जवाब देते हुए कहा कि यह पूरी तरह से साफ है कि यूनुस और उनकी सरकार अपनी भू-राजनीतिक सपने को पूरा करने के लिए पूर्वोत्तर को मोहरा बना रही है। इस तरह के भड़काऊ बयान अनुचित हैं और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने यूनुस से भारत के बारे में बेबुनियाद टिप्पणी न करने को कहा, क्योंकि उनका मानना है कि ऐसी बातें मूर्खतापूर्ण हैं और ऐसी बातों का नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। साथ ही सिंह ने आगे कहा कि भारत की एकता और अखंडता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता, और इसे चुनौती नहीं दी जा सकती। मोहम्मद यूनुस को संयम बरतना चाहिए।

डीजीपी मामले में ...

संबंधी साल 2006 के आदेश का पालन नहीं कर रही है। साल 2006 में प्रकाश सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि कानून व्यवस्था से इतर जांच के साथ ही सरकार को डीजीपी की नियुक्ति से पहले संघ लोकसेवा आयोग से भी चर्चा करनी चाहिए। आदेश के अनुसार, डीजीपी का चुनाव मौजूदा डीजीपी के रिटायरमेंट से पहले ही कर लिया जाना चाहिए और यह वरिष्ठता, अनुभव और मेरिट के आधार पर होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि एडहॉक डीजीपी की नियुक्ति के बजाय राज्यों को पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति करनी चाहिए। इसके लिए यूपीएससी तीन वरिष्ठ अधिकारियों के नाम राज्य सरकार को सुझाए, जिनमें से सरकार किसी एक नाम पर सहमति दे। याचिका में आरोप लगाया गया कि त्रिपुरा की डीजीपी की नियुक्ति में न्यायपालिका के आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। साथ ही नियुक्ति में पारदर्शिता और मेरिट का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। इस पर राज्य सरकार की तरफ से पेश हुए वकीलों ने याचिकाकर्ता के दावे को खारिज कर दिया और कहा कि न्यायपालिका के आदेश के तहत ही नियुक्ति की जा रही है और 7 मार्च को इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा से कहा कि वे वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के पोर्टफोलियो होल्डिंग्स के सार्वजनिक प्रकटीकरण को अनिवार्य बनाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को विस्तृत प्रतिनिधित्व दें। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया, जिसमें सेबी से यह आग्रह किया गया था कि वह एआईएफ, एफपीआई और उनके भारत में मध्यस्थों के अंतिम लाभकारी मालिकों और उनके पोर्टफोलियो का सार्वजनिक प्रकटीकरण अनिवार्य करे।

भारत-चिली व्यापक ...

के लिए सहमत हुए हैं। वहीं चिली के राष्ट्रपति ने कहा कि उनका देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में सुधार का समर्थन करता है। दोनों देश अंटार्कटिका में अन्वेषण के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। *शूट इन चिली* कार्यक्रम के माध्यम से हम अपने देश को फिल्म निर्माण के लिए पेश करते हैं। चिली के राष्ट्रपति बोरिक 1-5 अप्रैल तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। उनके साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। वे आगे आगरा, मुंबई और बेंगलुरु का भी दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री ने अतिथि के सम्मान में दोपहर भोज का आयोजन किया। चिली लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण एवं व्यापारिक साझेदार है। चिली क्षेत्र का एकमात्र देश था जिसने 1947 में भारत के स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष दूत भेजा था।

2028 में होगा ट्रंप-ओबामा ...

अब यह कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या 2028 का चुनाव ऐतिहासिक रूप से ट्रंप बनाम ओबामा का मुकाबला बन सकता है? बराक ओबामा दो बार अमेरिका के राष्ट्रपति रह चुके हैं। 2008 और 2012 के चुनाव जीतकर उन्होंने व्हाइट हाउस में दो कार्यकाल पूरे किए। 2024 के चुनाव में उन्होंने पर्दे के पीछे से जो बाइडेन और कमला हैरिस के लिए रणनीतिक भूमिका निभाई थी। पहले यह कहा जा रहा था कि वह अपनी पत्नी मिशेल ओबामा को राष्ट्रपति पद की दौड़ में उतारना चाहते थे, लेकिन जब जो बाइडेन ने चुनाव से खुद को अलग कर लिया, तो डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस बनीं। हालांकि, ट्रंप ने 2024 में उन्हें हराकर दोबारा व्हाइट हाउस की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया। अब सवाल यह है कि अगर ट्रंप तीसरी बार चुनाव लड़ने का रास्ता खोज सकते हैं, तो क्या ओबामा भी यही करेंगे? डोनाल्ड ट्रंप पहले ही संविधान के 22वें संशोधन पर सवाल उठा चुके हैं, जो किसी भी व्यक्ति को दो बार से अधिक राष्ट्रपति बनने से रोकता है। इस पर ट्रंप ने कहा था लोग कहते हैं कि ऐसा करने के तरीके हैं, लेकिन मैंने अभी इस पर ज्यादा विचार नहीं किया। इस बयान के बाद कयास लगने लगे हैं कि ट्रंप 2028 में तीसरी बार चुनाव लड़ने के लिए कोई कानूनी रास्ता तलाश सकते हैं। अगर इस संशोधन को बदला जाता है या इसकी व्याख्या को नया रूप दिया जाता है, तो ओबामा के लिए भी तीसरी बार चुनाव लड़ने का रास्ता खुल सकता है। अगर 2028 में ट्रंप और ओबामा के बीच मुकाबला होता है, तो यह अमेरिकी राजनीति के इतिहास में सबसे बड़ा चुनावी संग्राम बन सकता है। ट्रंप और ओबामा दोनों ही बेहद लोकप्रिय नेता हैं, जिनके पास अपने-अपने कट्टर समर्थकों का मजबूत आधार है। अगर ट्रंप और ओबामा दोनों तीसरी बार चुनाव लड़ने के लिए संवैधानिक बदलाव की संभावनाएं तलाशते हैं, तो यह अमेरिका के राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदल सकता है। रूस में व्लादिमीर पुतिन और चीन में शी जिनपिंग पहले ही संवैधानिक संशोधन कर असीमित कार्यकाल की व्यवस्था बना चुके हैं। अमेरिका हमेशा से सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण की परंपरा को बनाए रखने पर गर्व करता आया है, लेकिन अगर 2028 में ट्रंप और ओबामा एक-दूसरे के सामने आते हैं, तो यह अमेरिकी लोकतंत्र के लिए एक नया युग हो सकता है। अब देखना यह है कि क्या यह चर्चा सिर्फ अटकलें साबित होती हैं या वाकई 2028 में इतिहास बनने जा रहा है?

अमेरिका में स्वास्थ्य एजेंसियों ...

के जरिए कम खर्च में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने यह भी घोषणा की है कि एचएचएस का पुनर्गठन किया जाएगा और एडमिनिस्ट्रेशन फॉर ए हेल्दी अमेरिका (स्वस्थ अमेरिका के लिए प्रशासन) नाम की एक नई एजेंसी बनाई जाएगी, जो स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर तरीके से संचालित करेगी। मंगलवार से एचएचएस के कर्मचारियों को नौकरी खत्म होने के नोटिस भेजे जा रहे हैं। इसके तहत कई कर्मचारियों को तुरंत प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया गया है, और उनकी इमारतों में प्रवेश की अनुमति भी समाप्त कर दी गई है। इससे पहले भी 10,000 कर्मचारियों ने स्वेच्छा से नौकरी छोड़ दी थी जिससे विभाग की कुल कर्मचारियों की संख्या 82,000 से घटकर 62,000 रह गई है। अब इस नई छंटनी के बाद यह संख्या और कम हो जाएगी। कई विशेषज्ञों और नेताओं ने इस फैसले पर आपत्ति जताई है। सीनेटर पैटी मरे ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी से संक्रामक बीमारियों की रोकथाम और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं पर बुरा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले से एचएचएस का नाम *डिपार्टमेंट ऑफ डिजीज* (बीमारियों का विभाग) रखा जाना चाहिए, क्योंकि यह अमेरिका की स्वास्थ्य सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है।

आमने-सामने से ...

मालगाड़ी से टकरा गई। दोनों गाड़ियों में आग लगने से बचाव कार्य में काफी समय लगा। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। एक शव को अस्पताल भेजा गया, जबकि दूसरा शव मालगाड़ी में फंसा हुआ है। घायलों को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रशासन ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दोनों गाड़ियां एक ही पटरी पर कैसे आ गईं। इस दुर्घटना ने न केवल जान-माल का नुकसान किया बल्कि रेल संचालन भी प्रभावित किया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेलवे लाइन को ठीक करने में 2 से 3 दिन का समय लग सकता है। फिलहाल, रेलवे लाइन पर परिचालन रोक दिया गया है और हादसे की पूरी जांच की जा रही है।

इसे हल्के में नहीं ...

बांग्लादेश को उनके समुद्री पहुंच का संरक्षक बताया है, अपमानजनक और कड़ी निंदा योग्य है। उन्होंने आगे लिखा कि यह टिप्पणी भारत के रणनीतिक चिकन नेक गलियारे से जुड़ी लगातार भेद्यता की कहानी को रेखांकित करती है। ऐतिहासिक रूप से, भारत के भीतर के आंतरिक तत्वों ने भी पूर्वोत्तर को मुख्य भूमि से भौतिक रूप से अलग करने के लिए इस महत्वपूर्ण मार्ग को काटने का खतरनाक सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि इसलिए, चिकन्स नेक कॉरिडोर के नीचे और आसपास अधिक मजबूत रेलवे और सड़क नेटवर्क विकसित करना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके अलावा, पूर्वोत्तर को भारत की मुख्य भूमि से जोड़ने वाले वैकल्पिक सड़क मार्गों की खोज को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो चिकन नेक को प्रभावी ढंग से बायपास कर सकें। शर्मा ने कहा कि हालांकि यह महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग चुनौतियों का सामना कर सकता है, लेकिन दृढ़ संकल्प और नवाचार के साथ इसे प्राप्त किया जा सकता है। मोहम्मद यूनिस के ऐसे भड़काऊ बयानों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, क्योंकि वे गहन रणनीतिक विचारों और दीर्घकालिक एजेंडे को दर्शाते हैं। यूनुस ने हाल ही में चीन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान बीजिंग से बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने का आग्रह किया, उन्होंने विवादास्पद रूप से उल्लेख किया कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों का भूमि से घिरा होना एक अवसर साबित हो सकता है। यूनुस, जिन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और यात्रा के दौरान बीजिंग के साथ नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, ने कहा कि भारत के सात राज्य, भारत का पूर्वी भाग, सात बहनें कहलाते हैं। वे भारत का एक भूमि से घिरा क्षेत्र हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। बांग्लादेश को इस क्षेत्र में *समुद्र का एकमात्र संरक्षक* बताते हुए उन्होंने कहा कि यह एक बड़ा अवसर हो सकता है और चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार हो सकता है।

असम दर्शन योजना...

जाएगा। यह अनुदान सोनितपुर जिले में कुल 792 नामघरों और पूजा स्थलों को वितरित किया जाएगा। दोपहर में मंत्री हजारिका ने जगीरोड मल्टीपर्पज हॉल में निर्वाचन क्षेत्र के 181 नामघरों और पूजा स्थलों को चेक वितरण का आधिकारिक उद्घाटन किया। समारोह में बोलते हुए मंत्री हजारिका ने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव गुरु नामघर की अद्भुत रचना हमारी राष्ट्रीय विरासत और गौरव है। उन्होंने कहा कि इन नामघरों को सुंदर बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार इस संबंध में पूरी ईमानदारी से काम कर रही है। असम में कई तरह के समारोह और त्यौहार मनाए जाते हैं। इनमें बोहाग बिहू, रासलीला, दुर्गा पूजा और अन्य त्यौहार शामिल हैं। साथ ही, राज्य सरकार महिलाओं के विकास, शिक्षित बेरोजगारों के लिए पूर्ण योग्यता आधारित सरकारी नौकरी और समाज के हर नागरिक के कल्याण के लिए काम कर रही है।

यूनुस को एजेपी की चेतावनी, कहा–

अगर भारतीय उठेंगे, तो बांग्लादेश का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा

गुवाहाटी। बांग्लादेश का जन्म भारत की उदारता से हुआ है। एक ऐसा देश जो अपने दम पर लोकतांत्रिक चुनाव नहीं करा सकता, जहां प्रधानमंत्री भीड़ के हमलों के डर से भाग जाते हैं, उसे भारत जैसे शक्तिशाली राष्ट्र के खिलाफ बोलने का कोई हक नहीं है। बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के अंतरिम प्रमुख मोहम्मद यूनुस द्वारा चीन की यात्रा के दौरान की गई हालिया टिप्पणियों के बाद असम जातीय परिषद (एजेपी) की ओर से यह कड़ी प्रतिक्रिया आई। आज एक प्रेस बयान में, एजेपी के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई और महासचिव जगदीश भुयान ने यूनुस की आलोचना करते हुए कहा कि बांग्लादेश एक कृतघ्न राष्ट्र है, जिसने अपने ही लोगों को अपने संस्थापक नेता शेख मुजीबुर रहमान की मूर्तियों को तोड़ते हुए देखा है। चीन की अपनी हालिया यात्रा के दौरान, यूनुस ने कथित तौर पर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को *भूमि से घिरा हुआ क्षेत्र* कहा और सुझाव दिया कि चीन के पास इस क्षेत्र में अपना बाजार स्थापित करने के अवसर हैं।

एजेपी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बांग्लादेश को 1971 में उसकी उत्पत्ति की याद दिलाई, जब भारत के समर्थन के कारण उसे स्वतंत्रता मिली थी। उन्होंने बताया कि पिछले साल ही बांग्लादेश में भयंकर राजनीतिक उथल–पुथल हुई थी, जिसके कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को निर्वासन में जाना पड़ा, जिससे व्यापक अशांति फैल गई। इसके बाद, नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया, जो अब अस्थिरता और आर्थिक ठहराव से जूझ रही है। परंपरागत रूप से, प्रत्येक बांग्लादेशी राष्ट्राध्यक्ष ने बांग्लादेश के लोकतांत्रिक अस्तित्व में देश की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भारत को चुना है। हालांकि, यूनुस का चीन जाने और भारत के पूर्वोत्तर हितों के खिलाफ भड़काऊ बयान देने का फैसला किसी की नजर में नहीं आया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, एजेपी नेताओं ने कहा कि अगर पाकिस्तान की छाया में बैठे मुहम्मद यूनुस को लगता है कि वह भारत को चुनौती दे सकते हैं, तो वह मूर्खों की दुनिया में रह रहे हैं। उन्होंने आगे चेतावनी दी, यदि भारत के 1.4 अरब लोग अपना गुस्सा बांग्लादेश की ओर मोड़ते हैं, तो वह राख में तब्दील हो जाएगा। भारत बांग्लादेश को बराबर नहीं, बल्कि छोटा भाई मानता है। यूनुस को बेतुका बयान देने से पहले यह बात याद रखनी चाहिए।

आरएचएसी चुनाव के लिए कल होगा मतदान, केंद्रों के लिए मतदानकर्मी रवाना

गुवाहाटी (हिंस)। राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद (आरएचएसी) के चुनाव में 2 अप्रैल को मतदान होना है। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इन चुनावों के लिए मंगलवार को मतदान केंद्रों के लिए मतदानकर्मियों को रवाना किया गया। राज्य के 630 केंद्रों पर सुबह 7 बजे से दोपहर बाद 3 बजे तक मतदान होगा और 4 अप्रैल को मतों की गणना होगी। राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद की 40 सदस्यीय परिषद के 36 सदस्यों का चुनाव होने जा रहा है, जबकि चार सदस्यों को मनोनीत किया जाता है। इस बीच 36 परिषद चुनाव क्षेत्रों में से एनडीए के तीन सदस्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जा चुके हैं। इस प्रकार 2 अप्रैल को परिषद की 33 सीटों के लिए मतदान होगा। राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद के चुनाव के मतदाताओं की संख्या 445586 है। इनमें 216181 पुरुष और 229394 महिलाएं हैं। मतदान केंद्रों की संख्या 630 है। सीटों में 25 एसटी के लिए और 6 महिलाओं के लिए आरक्षित तथा 11 सामान्य सीटें हैं। चुनाव प्रचार के नाम पर एक उम्मीदवार को 2.50 लाख रुपए खर्च करने की सीमा चुनाव आयोग ने तय की थी।

भाजपा की मासिक पत्रिका *असमिया भाजपा बार्ता* का अप्रैल संस्करण विमोचित

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा की मासिक पत्रिका *असमिया भाजपा बार्ता* के अप्रैल संस्करण का मंगलवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी भवन में भव्य विमोचन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महासचिव एवं विधायक दिप्लुरंजन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विमोचन समारोह में उपस्थित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दिप्लुरंजन शर्मा ने 2025 को *ग्रंथ आंदोलन* वर्ष के रूप में मनाने की राज्य सरकार की पहल को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि साहित्य सत्य का अमिट दस्तावेज होता है, जो किसी भी प्रकार के तोड़–मरोड़ से अप्रभावित रहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुस्तकें ऐतिहासिक सत्य को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। असम आंदोलन पर बोलते हुए शर्मा ने विदेशी बहिष्कार आंदोलन में भाजपा की अहम भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को अटल बिहारी वाजपेयी ने संकल्प और बलिदान के साथ नेतृत्व दिया। वाजपेयी ने संसद में चार ऐतिहासिक भाषण दिए, जो

असम के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण हैं। उन्होंने इस आंदोलन को केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष के रूप में नहीं, बल्कि देश के युवाओं की आकांक्षाओं से जुड़ा एक परिवर्तनकारी अभियान माना। शर्मा ने यह भी कहा कि कुछ राजनेता, जिन्होंने कभी असम आंदोलन का कड़ा विरोध किया था, अब स्वयंभू असमिया राष्ट्रवादी बनने का दिखावा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग भाजपा के ऐतिहासिक बलिदानों को विकृत करने के लिए दुष्प्रचार कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने विश्वास जताया कि सत्य और इतिहास को कोई भी तोड़–मरोड़ नहीं सकता। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा, भाजपा के उपाध्यक्ष एवं विधायक नब दलै, *भाजपा बार्ता* के संपादकीय सदस्य एवं प्रवक्ता लख्य कुंवर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बंगाईगांव और होजाई में गणगौर विसर्जन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

बंगाईगांव/होजाई (विभास/निसं)। राजस्थान का पारंपरिक उत्सव गणगौर का 16 दिन तक आयोजन होने के बाद सोमवार को बंगाईगांव के पास स्थित आई नदी में विधि विधान से विसर्जन किया गया। इस अवसर पर नदी के घाट पर सैकड़ो की संख्या में महिलाएं, कन्याएं एवं पुरुष उपस्थित थे। कई महिलाओं ने नदी में नौका की सवारी कर गणगौर को विसर्जित की। यह गणगौर पूजा कुंवारी कन्याओं के अलावा महिलाओं के द्वारा विशेष कर नव विवाहित महिलाओं के द्वारा की जाती है। कुंवारी कन्या अच्छे वर के मनोकामना के लिए तथा महिलाएं अपनी सुहाग की रक्षा के लिए इस पूजा को करती है। सुखी वैवाहिक जीवन और परिवार में वैभव की कामना को लेकर गणगौरी तीज पर शंकर पार्वती के प्रतीक ईशर–गवर का विशेष पूजन किया गया। इस अवसर पर नव विवाहित महिलाएं सोलह सिंगार कर राजस्थान की रंग बिरंगी वेशभूषा में घाट पर उपस्थित थी। शाम के वक्त सूर्य ने भी अपनी लालिमा से घाट को रंग बिरंगा कर रखा था। गणगौर को विसर्जित करने के पहले महिलाओं ने विधि विधान पूर्वक पूजा की। विसर्जन घाट पर उपस्थित समाज की महिलाओं एवं पुरुषों विशेष कर श्रीमती सरोज हरलालका, श्रीमती आयुषी बंसल, श्रीमती अनु अग्रवाल एवं महेश कुमार अग्रवाल ने इस उत्सव को व्यवस्थित एवं संगठित रूप से मनाने का भी आह्वान किया ताकि इस पर्व को सुरक्षा की दृष्टि से परंपरागत रूप से एवं अधिक उत्साह पूर्वक मनाया जा सके। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार राजस्थानी लोक संस्कृति का प्रतीक आस्था व उल्लास का पर्व गणगौर सोमवार को होजाई में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। होलिका दहन के दूसरे दिन से प्रारंभ इस पर्व को नवविवाहिता महिलाएं कुंवारी कन्या ने धूमधाम से अपने अपने घरों में मनाया। प्रात: से ही महिलाओं युवतियों द्वार घरों व स्थानीय श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर व अपने घरों में ईसर गणगौर (शिव पार्वती) की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर गाए जाने वाले गीतों से राजस्थानी संस्कृति की याद ताजा हो गई। इसके बाद ईसर गणगौर को घर में बनाया गया प्रसाद का भोग लगाया गया। उसके बाद सायं के समय मंदिर परिसर से गणगौर माता को शिवबाड़ी घाट में विधि विधान के साथ विसर्जित कर दिया गया। वहीं कई युवतियों व माताओं ने अपने ही घरों में बड़े–बड़े पानी के टब में गणगौर को विसर्जन कर अपनी 18 दिवसीय पूजन का समापन किया।

कांग्रेस, एजेपी ने असम सरकार पर *विरासत संरक्षण में विफल* होने का आरोप लगाया

गुवाहाटी। एक अप्रैल (भाषा) असम में ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित राज्य की सबसे पुरानी संरचनाओं में से एक *महाफेजखाना* (रिकॉर्ड रूम) को गिराए जाने पर सवाल उठाते हुए विपक्षी दलों ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर राज्य की विरासत को *संरक्षित रखने में विफल* रहने का आरोप लगाया। विपक्ष के नेता और कांग्रेस विधायक देबब्रत सैकिया ने राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग की। वहीं, असम जातीय परिषद (एजेपी) ने सवाल उठाया कि क्या *रिकॉर्ड रूम* को गिराने से पहले जनता की राय ली गई थी? माना जा रहा है कि वर्ष 1855 के बाद निर्मित *महाफेजखाना* को गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) द्वारा *ब्रह्मपुत्र रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना* के तहत तोड़ा गया। इस ध्वस्तीकरण के बाद शहरवासियों में आक्रोश फैल गया और कई नागरिकों ने सरकार की आलोचना की। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हालांकि सरकार के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह *गुलामी का प्रतीक* था और कोई *पुरातत्वीय स्थल* नहीं था। *महाफेजखाना* का उल्लेख वर्ष 2014 में जीएमडीए द्वारा प्रकाशित कॉफी टेबल बुक *फॉरएवर गुवाहाटी* में किया गया है। सैकिया ने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को लिखे पत्र में विरासत इमारतों को तोड़ने पर रोक लगाने और असम विरासत संरक्षण, परिरक्षण एवं रखरखाव अधिनियम, 2020 को लागू करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि महाफेजखाना का विध्वंस *प्रत्यक्ष रूप से* इस अधिनियम का उल्लंघन है। इस अधिनियम को भाजपा सरकार द्वारा लागू किया गया था। कांग्रेस नेता ने राज्यपाल से आग्रह किया कि वह संबंधित अधिकारियों को असम विरासत अधिनियम, 2020 का उल्लंघन करने वाली किसी भी और कार्रवाई को रोकने तथा विध्वंस के कारणों की विस्तृत जांच कराने का निर्देश दें। सैकिया ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप असम की विरासत को भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पानबाजार क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से सभी विरासत संरचनाओं की सुरक्षा की मांग की। कांग्रेस प्रवक्ता बेदब्रत बोरा ने विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए सवाल किया कि हम जानना चाहते हैं कि हमारे विरासत स्थलों और इमारतों की रक्षा क्यों नहीं की जा रही?

श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट बोर्ड नगांव का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

अशोक केजरीवाल बने अध्यक्ष

नगांव (निसं)। श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट बोर्ड की सभा श्री श्याम धाम मंदिर में सोमवार को संपन्न हुई। सर्वप्रथम सभा में अध्यक्ष सुरेंद्र कर्वा सचिव प्रदीप जाजोदिया व कोषाध्यक्ष नरेंद्र डाबड़ीवाल को मंचासीन करवाया गया। सभा का संचालन सुरेंद्र कर्वा और कैलाश खेतान ने बारी बारी से किया। नगांव शहर के अलावा अन्य जिलो से भी ट्रस्टी गण भी सभा में उपस्थित हुए। अन्य शहर से आए ट्रस्टीयों का श्री श्याम नाम का दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया। सुरेंद्र कर्वा को उनकी पिछली सेवाओ के लिए उनका फुलाम गामोछा तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस समय पर श्री कर्वा की धर्मपत्नी मंजु कर्वा, चिकित्सक पुत्र राहुल कर्वा एंव सीए पुत्र विवेक कर्वा को भी फुलाम गमोछा से सम्मानित किया गया। बाद में अगले सत्र के लिये मनोनीत किए गए अध्यक्ष अशोक केजरीवाल, सचिव प्रदीप जाजोदिया, कोषाध्यक्ष रमेश अजितसारिया के साथ सभी नवनियुक्त कार्यकारिणी समिति के सदस्यो का अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात नवनियुक्त अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष को मंचासीन करवा कर शपथ ग्रहण करवाई गई। सभी कार्यकारिणी सदस्यो तथा मुख्य पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष का शहर की विभिन्न संस्थाओ ने भी फुलाम गामोछा से अभिनंदन

किया गया। सभा में निवर्तमान अध्यक्ष सुरेंद्र कर्वा एंव नवनियुक्त अध्यक्ष अशोक केजरीवाल ने सभा को संबोधित किया। सभा में श्री मारवाड़ी पंचायत के सचिव रतन कुमार जाजोदिया, श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के सचिव राजेन्द्र प्रसाद मुंदडा, नगांव राजस्थानी युवक संघ के अध्यक्ष मालचंद अग्रवाल, सचिव अजय मित्तल, पूर्व अध्यक्ष माणक चंद नाहटा, पवन कुमार गाडोदिया, लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ललित कोठारी, मायुंम नगांव समृद्धि शाखा की ममता सिंघि सहित काफी संख्या में महिला व पुरुष उपस्थित थे। नवनियुक्त सचिव प्रदीप जाजोदिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा संपन्न हुई।

राजभवन असम ने सोल्लास मनाया ओडिशा दिवस

राज्यपाल ने असम और ओडिशा के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को दोहराया

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि असम और ओडिशा प्राचीन काल से ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध साझा करते हैं। आज यहां श्री श्री माधवदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में ओडिशा के स्थापना दिवस समारोह में बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे राज्य की अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत को उजागर करते हुए पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त करने की यात्रा का स्मरण करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये समारोह राष्ट्रीय एकता और गौरव को भी बढ़ावा देते हैं तथा राज्य की प्रगति और आकांक्षाओं को प्रदर्शित करने और इसके इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों के बलिदान को सम्मानित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दूसरों के राज्य दिवस मनाने में सक्षम बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति अपनी गहरी

कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि बौद्ध काल के दौरान एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करने वाले भिक्षुओं ने असम और ओडिशा के बीच संबंध स्थापित करने में मदद की। उन्होंने कहा कि पंद्रहवीं शताब्दी में असम के महान संत श्रीमंत शंकरदेव पुरी आए थे और उन्होंने यहां की संस्कृति के साथ गहरा आध्यात्मिक संबंध स्थापित किया था। श्री आचार्य ने आगे कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान ओडिशा से श्रमिक काम के लिए असम के चाय बागानों में आते थे, जिससे दोनों राज्यों के लोगों के बीच घनिष्ठ संबंध बन गए। महान लेखक लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा भी ओडिशा में रहते थे और उन्होंने साहित्य और संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी विरासत को आज भी संबलपुर में देखा जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच संबंधों का उपयोग विकसित भारत की यात्रा को गति देने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने इस अवसर पर उन हस्तियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की जिनके योगदान ने ओडिशा की एकता और प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर राज्यपाल ने ओडिशा के सभी लोगों और असम में रहने वाले ओड़िया समुदाय के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिन ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक गौरव और विकास यात्रा का प्रमाण है। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर पर्यटन में ओडिशा की क्षमता और विकास की सराहना की। इस अवसर पर असम और ओडिशा की साझा सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

कामरूप मेट्रोपोलिटन में विशेष स्वास्थ्य एवं कल्याण शिविर खुला

गुवाहाटी। कामरूप मेट्रोपोलिटन जिला स्वास्थ्य समिति ने पश्चिम जोन के सहयोग से आज पांडु आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक विशेष स्वास्थ्य एवं कल्याण शिविर का आयोजन किया। शिविर में कामरूप मेट्रोपोलिटन के जिला आयुक्त सुमित चट्टावन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जिला स्वास्थ्य समिति ने जिले के सभी लोगों को मुफ्त चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के वार्डों और ग्राम पंचायतों के अंतर्गत कुल 40 विशेष स्वास्थ्य एवं कल्याण शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। आज प्रथम शिविर आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्त्री रोग, बाल रोग, त्वचा रोग, आंख, कान व अन्य रोगों के उपचार के साथ–साथ साइकिल सेल एनीमिया व एचआईवी बीमारियों की जांच भी की।

विप्र फाउंडेशन, गुवाहाटी चैप्टर की महिला प्रकोष्ठ ने आयोजित की प्रतियोगिताएं

गुवाहाटी (विभास)। विप्र फाउंडेशन गुवाहाटी चैप्टर एवं महिला प्रकोष्ठ ने गणगौर उत्सव में दो प्रतियोगिताएं नन्ही बाईसा एवं मोटी सेठानी का आयोजन किया जिसमे तीन ग्रुप में पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्वोत्तर प्रांतीय अध्यक्ष मंजू लता शर्मा उपस्थित थीं। विशिष्ठ अतिथिगण जोन 8 के प्रभारी रामस्वरूप जोशी, राष्ट्रीय सचिव चंद्र प्रकाश शर्मा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार शर्मा, क्षेत्र 8 के सलाहकार एवं भाजपा के कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा सोती, डीसीपी शांभवी मिश्रा, गुवाहाटी चैप्टर के अध्यक्ष शिव पारीक, प्रांतीय संगठन मंत्री अमित पारीक, कोषाध्यक्ष राकेश भातरा, लोक गायक बद्री व्यास, सलाहकार संतोष शर्मा, कमला लाटा, विप्र युवा असम के अध्यक्ष अंकित पारीक, विवेक पारीक, पार्षद प्रमोद स्वामी, अनिल शर्मा, गणगौर समिति के सलाहकार जयप्रकाश गोयंका, अध्यक्ष विशाल भातरा, संयोजक विवेक सांगानेरिया उपस्थिति थे। निर्णायक के रूप में सुषमा शर्मा, संगीता शर्मा, जया भातरा उपस्थित थी। महिला प्रकोष्ठ की ओर से नन्ही बाईसा 0 से 5 वर्ष

वाली श्रेणी में प्रथम पुरस्कार कृषा सांगानेरिया, द्वितीय वैभवी शर्मा, वे तृतीय अनाया वर्मा तथा 5 से 10 की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार तुइशा, द्वितीय भाविका, तृतीय कृषा एवं सांत्वना पुरस्कार परिधि और ममिषा को दिया गया। वही मोटी सेठानी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कमला लाटा, द्वितीय संतोष महेश्वरी, तृतीय सुमन बोथरा के अलावा सांत्वना पुरस्कार मंजू भंसाली व सरला काबरा को दिया गया। कार्यक्रम की संयोजिका वर्षा शर्मा, संगठन मंत्री निशा पारीक, महामंत्री रजनी शर्मा, कोषाध्यक्ष जया पारीक, सुषमा शर्मा, उर्मि पारीक, रंजना पारीक, उषा, सीमा शर्मा, इंदु पारीक, सुमन शर्मा सहित कई सखियां मौजूद थी।

अयुप की आम सभा और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। अग्रवाल युवा परिषद (अयुप) की वर्तमान सत्र की दूसरी आम सभा और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया। समारोह की शुरुआत महाराजा अग्रसेन और मां लक्ष्मी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। जिसमें पिछले वर्ष की गतिविधियों का लेखा–जोखा कोषाध्यक्ष प्रतीक जालान ने प्रस्तुत किया। इसके बाद अध्यक्ष प्रवेश अग्रवाल ने वर्ष भर के प्रयासों के लिए सदस्यों को पुरस्कृत किया। इसके बाद चुनाव अधिकारी पीयूष बिरमीवाल ने कुणाल जाजोदिया को परिषद का नया अध्यक्ष घोषित किया। सचिव स्नेहा जालान अग्रवाल ने आम बैठक को अपना आभार प्रकट करते हुए विराम दिया। संयोजक कियाता अग्रवाल ने अतिथियों का बहुत उल्लास के साथ स्वागत किया। नए अध्यक्ष कुणाल जाजोदिया को परमेश्वर लाल कनोई ने शपथ दिलाई और निवर्तमान अध्यक्ष प्रवेश अग्रवाल ने अयुप का ध्वज और दयितव पत्र के साथ परिषद का कार्यवाह सौंपा। तत्पश्चात नए अध्यक्ष ने सभा का आभार व्यक्त करते हुए अपना आसन ग्रहण किया। विनोद लोहिया ने अयूप के नए सचिव प्रतीक जालान और प्रतीक अग्रवाल

धनावत को कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ दिलायी। अशोक अग्रवाल ने रंजन अग्रवाल, श्रुति अग्रवाल और कुशल लोहिया को उपाध्यक्ष, आयुष गुप्ता और लोकेश अग्रवाल को सहसचिव और प्रतीक अग्रवाल को सह कोषाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। इसके बाद परिषद के अन्य सदस्यों का शपथ ग्रहण हुआ। नव नियुक्त अध्यक्ष ने उप समितियों का गठन किया। इस मोके पर महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज जालान, सचिव सुनील अग्रवाल, महाराज अग्रसेन शिक्षा कोष के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव अशोक कोठारी, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, समाजसेवी निरंजन सिकारिया, सुरेश गर्ग, रवि सुरेका तथा अन्य संस्थाएं शमिल थी। सभी उपस्थित महानुभावों ने नए कार्य करिणी को बधाई दी। इस अवसर पर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुणाल जाजोदिया ने अपने संबोधन में कहा कि अग्रवाल युवा परिषद समाज में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के अंत में सचिव प्रतीक जालान ने सभी उपस्थित सदस्यों और अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

संपादकीय

संघ के संस्कारों का सवाल

यह आरएसएस का शताब्दी-वर्ष है। करीब 24 साल बाद भारत के प्रधानमंत्री संघ मुख्यालय गए। पहले वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी संघ मुख्यालय गए थे। अब मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी नागपुर मुख्यालय गए। भाजपा के दोनों ही प्रधानमंत्री आरएसएस प्रचारक थे, उनकी राजनीतिक-सामाजिक-वैचारिक जड़ें संघ से ही जुड़ी थीं, लिहाजा संघ की शरण में जाना स्वाभाविक है। ऐसी व्याख्याएं गलत और भ्रामक हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को कोई चुनौती है या भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर कोई विरोधाभास हैं अथवा संघ भाजपा से कुछ मुद्दों पर नाराज है, लिहाजा संबंधों में तनाव है। भाजपा संघ का ही एक मातृ संगठन है, लिहाजा निर्देश और संस्कार संघवाले ही हैं। उन्हें चुनौती नहीं दी जा सकती या उनका विरोध करने का दुस्साहस संभव नहीं है। संघ और भाजपा के संबंध एक विराट परिवार सरीखे हैं। वे आपस में विमर्श करते हैं और फिर एक साझा निष्कर्ष पर पहुंचते हैं। करीब 90 फीसदी नेता और कार्यकर्ता आरएसएस की पृष्ठभूमि के होते हैं, जो बाद में भाजपा के लिए काम करते हैं। आरएसएस में करीब 60 लाख स्वयंसेवक हैं। उन्हीं में से प्रचारक बनते हैं। जिन्हें भाजपा में भेजा जाता है, वहां वे सांसद, मंत्री और फिर प्रधानमंत्री बन सकते हैं। 1951 में जब 'जनसंघ' का गठन किया गया था, तब पार्टी प्रमुख डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अटल बिहारी वाजपेयी, सुंदर सिंह भंडारी, दीन दयाल उपाध्याय सरीखे चेहरों को आरएसएस से ही मांगा था। दरअसल आज हम संघ के स्तुतिगान के पक्ष में नहीं हैं और न ही इतिहास बताना चाहते हैं। कुछ संवेदनशील और राष्ट्रीय चेतना के स्तर के मुद्दे हैं, जो संघ के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बंधुत्व, हिंदुत्व, एकता-अखंडता, सेवा-संस्कार और सामाजिकता के बिल्कुल विलोम हैं। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में संघ को महान, अक्षय और आधुनिक 'वटवृक्ष' माना है, लेकिन दूसरी तरफ झारखंड के हजारीबाग में भाजपा सांसद मनीष जायसवाल ने सरेआम तलवारें, लाठियां और डंडे कार्यकर्ताओं और समर्थकों में बांटे हैं। दरअसल बहुसंख्यक सांप्रदायिकता बेहद खतरनाक और हिंसक होती है, लिहाजा सांसद का यह कारनामा अक्षम्य है। दलील दी गई कि ये 'राम नवमी' त्योहार के उपलक्ष्य में बांटे गए हैं। प्रभु श्रीराम के नाम पर किसी पर्व या समारोह के लिए 'हथियार' कब बांटे गए हैं? क्या सनातन की भी ऐसी कोई परंपरा है? एक संकेत मिलता है कि भाजपा सांसद ने 'राम नवमी' की शोभा-यात्रा के दौरान किसी संभावित उपद्रव या हमले के मद्देनजर अपनी फौज तैयार की है। हजारीबाग में ही 'मंगला जुलूस' पर पथराव किया गया था। ऐसे पथराव बंगाल, बेंगलुरु, कानपुर, अलीगढ़ आदि शहरों में भी होते रहे हैं। क्या देश भर में भाजपा की ऐसी फौज तैयार और तैनात की जा सकती है? क्या आरएसएस के बुनियादी संस्कार और विचार यही हैं? सरेआम तलवारें बांटी गईं और नेतृत्व बिल्कुल खामोश है। क्या उसी की खामोश सहमति रही है? अब यह नाजुक दौर है, जब संघ और भाजपा नेतृत्व को देश के सामने साफ करना चाहिए कि क्या उनका विचार और संस्कार हिंदू बनाम मुसलमान का ही है?

पहले वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी संघ मुख्यालय गए थे। अब मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी नागपुर मुख्यालय गए। भाजपा के दोनों ही प्रधानमंत्री आरएसएस प्रचारक थे, उनकी राजनीतिक-सामाजिक-वैचारिक जड़ें संघ से ही जुड़ी थीं, लिहाजा संघ की शरण में जाना स्वाभाविक है। ऐसी व्याख्याएं गलत और भ्रामक हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को कोई चुनौती है या भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर कोई विरोधाभास हैं अथवा संघ भाजपा से कुछ मुद्दों पर नाराज है, लिहाजा संबंधों में तनाव है। भाजपा संघ का ही एक मातृ संगठन है, लिहाजा निर्देश और संस्कार संघवाले ही हैं। उन्हें चुनौती नहीं दी जा सकती या उनका विरोध करने का दुस्साहस संभव नहीं है। संघ और भाजपा के संबंध एक विराट परिवार सरीखे हैं। वे आपस में विमर्श करते हैं और फिर एक साझा निष्कर्ष पर पहुंचते हैं। करीब 90 फीसदी नेता और कार्यकर्ता आरएसएस की पृष्ठभूमि के होते हैं, जो बाद में भाजपा के लिए काम करते हैं। आरएसएस में करीब 60 लाख स्वयंसेवक हैं। उन्हीं में से प्रचारक बनते हैं। जिन्हें भाजपा में भेजा जाता है, वहां वे सांसद, मंत्री और फिर प्रधानमंत्री बन सकते हैं। 1951 में जब 'जनसंघ' का गठन किया गया था, तब पार्टी प्रमुख डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अटल बिहारी वाजपेयी, सुंदर सिंह भंडारी, दीन दयाल उपाध्याय सरीखे चेहरों को आरएसएस से ही मांगा था। दरअसल आज हम संघ के स्तुतिगान के पक्ष में नहीं हैं और न ही इतिहास बताना चाहते हैं। कुछ संवेदनशील और राष्ट्रीय चेतना के स्तर के मुद्दे हैं, जो संघ के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बंधुत्व, हिंदुत्व, एकता-अखंडता, सेवा-संस्कार और सामाजिकता के बिल्कुल विलोम हैं।

कांग्रेस मुस्लिमों को धर्म आधारित आरक्षण देने का तुश्टिकरण से जुड़ा खेल निरंतर खेलती आ रही है

मुस्लिम आरक्षण का खेल खेलती कांग्रेस

प्रमोद भार्गव

भाजपा सांसदों ने इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस पर संविधान बदलने का आरोप लगाया। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जो संवैधानिक पद पर बैठे हैं, कह रहे हैं कि पार्टी संविधान बदलकर मुस्लिमों को आरक्षण देगी। दरअसल कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में उपमुख्यमंत्री डीके षिवकुमार ने कहा है कि मुस्लिमों का ठेकों में चार प्रतिषत आरक्षण बरकरार रखने के लिए जरूरत पड़ी तो संविधान में भी बदलाव करेंगे। रिजिजू ने इस मुद्दे को बारी-बारी से संसद के दोनों सदनों में उठाया। इसे लेकर भारी हंगामा हुआ। इस मुद्दे का समर्थन करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि 'कांग्रेस बाबा साहब आंबेडकर के संविधान को बदलना चाहती है, क्योंकि इसमें साफ लिखा है कि धर्म के आधार पर किसी को भी आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता है।

कर्नाटक में मुसलमानों को सार्वजनिक ठेकों में चार प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर संसद में भारी हंगामा हुआ। भाजपा सांसदों ने इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस पर संविधान बदलने का आरोप लगाया। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जो संवैधानिक पद पर बैठे हैं, कह रहे हैं कि पार्टी संविधान बदलकर मुस्लिमों को आरक्षण देगी। दरअसल कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में उपमुख्यमंत्री डीके षिवकुमार ने कहा है कि मुस्लिमों का ठेकों में चार प्रतिषत आरक्षण बरकरार रखने के लिए जरूरत पड़ी तो संविधान में भी बदलाव करेंगे। रिजिजू ने इस मुद्दे को बारी-बारी से संसद के दोनों सदनों में उठाया। इसे लेकर भारी हंगामा हुआ। इस मुद्दे का समर्थन करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि 'कांग्रेस बाबा साहब आंबेडकर के संविधान को बदलना चाहती है, क्योंकि इसमें साफ लिखा है कि धर्म के आधार पर किसी को भी आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता है। परंतु कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ऐसा करने जा रही है। संविधान बदलने का बयान संवैधानिक पद पर बैठे ऐसे व्यक्ति ने दिया है, जिसे हल्के से नहीं लिया जा सकता है।' यही नहीं कर्नाटक में कांग्रेस के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सरकार ने ओबीसी, एससी और एसटी के युवाओं का हक मारकर मुसलमानों को 4.5 प्रतिषत आरक्षण देने का काम किया था। जबकि हमारे संविधान में धर्म आधारित आरक्षण की कोई जगह नहीं है। अतएव इस तरह के प्रयास संविधान निर्माताओं की देषहित से जुड़ी इच्छाओं के विरुद्ध हैं। बावजूद कांग्रेस मुस्लिमों को धर्म आधारित आरक्षण देने का तुश्टिकरण से जुड़ा खेल निरंतर खेलती आ रही है। कांग्रेस की सोच हमेशा से तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति की रही है। 2004 से 2010 के बीच में कांग्रेस ने चार बार आंध्रप्रदेष में मुस्लिम आरक्षण लागू करने की कोशिश की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की जागरूकता के कारण वे अपने मंसूबे पूरे नहीं कर पाए? दरअसल यह कांग्रेस का 'पायलट प्रोजेक्ट' था, जिसे कांग्रेस पूरे देश में आजमाना चाहती थी। अल्पसंख्यक बनाम मुस्लिमों को पिछड़ों, दलित और आदिवासियों के संविधान में निर्धारित कोटा के अंतर्गत 4.5 प्रतिशत आरक्षण देने की केंद्र सरकार की मंशा हमेषा रही है। लेकिन न्यायालय के हस्तक्षेप के चलते इस

मंषा को पलीता लगता रहा है। इस आरक्षण को लेकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के बाद देष की सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए आंध्रप्रदेष उच्च न्यायालय के फैसले के विरुद्ध दायर आपील को खरीज कर दिया था। केंद्र सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश चाहती थी। इस मंशा के विपरीत कोर्ट ने सरकार से यह और स्पष्ट करने को कहा था कि वह बताए की उसने किस आधार पर अल्पसंख्यकों को 4.5 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया? कोर्ट ने यह भी कहा था कि क्या इस तरह कोटे में उप कोटा आरक्षित करने का सिलसिला चलता रहेगा? दरअसल आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने धर्म के आधार पर' आरक्षण का लाभ संविधान के विरुद्ध बताया था। दिसम्बर 2011 के बाद से शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है। लेकिन केंद्र सरकार ने कुटिल चतुराई से ओबीसी के कोटे में खासतौर से मुस्लिमों को लुभाने के लिए 4.5 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रावधान कर दिया था। इसे आंध्र उच्च न्यायालय ने अस्वीकारते हुए साफ किया था कि कोटा के अंतर्गत उप कोटा दिए जाने का प्रावधान अल्पसंख्यकों को लुभाने के लिए दिया गया है। इसे कानूनी रूप देते हुए कहा गया है कि 'अल्पसंख्यकों से संबंधित' और 'अल्पसंखयकों के लिए' जैसे वाक्यों का जो प्रयोग किया गया है वह असंगत है, जिसकी कोई जरूरत नहीं है। इस फैसले का व्यापक असर होना तय था। क्योंकि यह प्रावधान आईआईटी जैसे केंद्रीय शिक्षण संस्थानों में भी लागू हो गया था। बहरहाल न्यायालय के फैसले के बाद कांग्रेस का मुस्लिमों को लुभाने वाले नुस्खे पर पानी फिर गया था। वंचित समुदाय वह चाहे अल्पसंख्यक हों अथवा गरीब सवर्ण, उनको बेहतरी के उचित अवसर देना लाजिमी है, क्योंकि किसी भी बदहाली की सूरत, अल्पसंख्यक अथवा जातिवादी चश्मे से नहीं सुधारी जा सकती? खाद्य की उपलब्धता से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं, उनको हासिल करना मौजूदा दौर में केवल पूंजी और शिक्षा से ही संभव है। ऐसे में आरक्षण के सरोकारों के जो वास्तविक हकदार हैं, वे अपरिहार्य योग्यता के दायरे में न आ पाने के कारण उपेक्षित ही रहेंगे। अलबत्ता आरक्षण का सारा लाभ वे बटोर ले जाएंगे जो आर्थिक रूप से पहले से ही सक्षम हैं और जिनके बच्चे पब्लिक स्कूलों से पढ़े हैं। इसलिए इस संदर्भ में मुसलमानों और भाषायी अल्पसंख्यकों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने की वकालात करने वाली रंगनाथ मिश्र आयोग की रिर्पाट के भी कोई बुनियादी मायने नहीं रह गए थे? यह रिपोर्ट भी मुसलमानों को संवैधानिक प्रावधानों में आरक्षण जैसे विकल्प खोलने के लिए तैयार कराई गई थी। संविधान के अनुच्छेद 15 के अनुसार धर्म, जाति, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर राष्ट्र किसी भी नागरिक के साथ पक्षपात नहीं कर सकता। इस दृष्टि से संविधान में विरोधाभास भी हैं। संविधान के तीसरे अनुच्छेद, अनुसूचित जाति आदेश 1950 जिसे प्रेसिडेंशियल ऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है, के अनुसार केवल हिंदू धर्म का पालन करने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इस परिप्रेक्ष्य में अन्य धर्म समुदायों के दलित और हिंदू दलितों के बीच एक स्पष्ट विभाजक रेखा है, जो समता और सामाजिक न्याय में भेद करती है। इसी तारतम्य में पिछले पचास सालों से दलित ईसाई और दलित मुसलमान संघर्षरत रहते हुए हिंदू अनुसूचित जातियों को दिए जाने वाले अधिकारों की मांग करते चले आ रहे हैं। रंगनाथ मिश्र की रिपोर्ट इसी भेद को दूर करने की पैरवी करती है। वर्तमान समय में मुसलमान, सिख, पारसी, ईसाई और बौद्ध ही अल्पसंख्यक दायरे में आते हैं। जबकि जैन, बहाई और कुछ दूसरे धर्म-समुदाय भी अल्पसंख्यक दर्जा हासिल करना चाहते हैं। लेकिन जैन समुदाय केन्द्र द्वारा अधिसूचित सूची में नहीं है। इसमें भाषाई अल्पसंख्यकों को अधिसूचित किया गया है, धार्मिक अल्पसंख्यकों को नहीं। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यक माना गया है।

दृष्टि कोण

शहरी विकास के लिए चेतावनी है यह भूकंप

म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के ताकतवर भूकंप ने 1700 से भी ज्यादा लोगों की जान ले ली और 2500 से भी ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप के प्रभाव में आकर जिस तरह से बहुमंजिला इमारतें ढहीं, सडक़ें, पुल और बांध टूटे, बिजली और इंटरनेट सेवाएं ठप हो गईं, यह प्रकृति की एक ऐसी नजीर है, जो बढ़ते शहरीकरण के लिए चेतावनी है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आए कुछ पलों के झटकों ने ही दुनिया के इस सुंदर शहर को थर्रा दिया। इसी बीच अमेरिका की भूगर्भीय सर्वेक्षण एजेंसी ने आशंका जताई है कि मरने वालों की संख्या 10 हजार से भी अधिक पहुंच सकती है। इस भूकंप के झटके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में भी अनुभव किए गए। चीन, वियतनाम, ताइवान, लाओस और श्रीलंका में भी भूकंप की तरंगें अनुभव की गईं। याद रहे भारत के भुज में 24 साल पहले आया भूकंप भी 7.7 तीव्रता का था, जिसमें 20 हजार लोगों की मौतें हुई थीं और डेढ़ लाख लोग घायल हुए थे। तीन लाख से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ था। म्यांमार का भूकंप काफी उथला था। इस भूकंप का केंद्र भूमि के 10 किमी नीचे था। भूकंप के केंद्र वाला म्यांमार का क्षेत्र संवेदनशील क्षेत्र के रूप में पूर्व से ही चिन्हित है। बावजूद यहां आवास और उद्योगों के लिए आलीशान अट्टालिकाएं खड़ी की जा रही हैं। भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराने का परिणाम इस भूकंप को माना जा रहा है। दिल्ली राजधानी क्षेत्र में 17 फरवरी 2025 की सुबह 5.36 बजे रिक्टर स्केल पर चार तीव्रता वाले भूकंप के झटके और धमाकों जैसी अवाजें सुनी गई थीं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र दिल्ली के धौलाकुआं के झील पार्क क्षेत्र में 5 किमी की गहराई में था। इस कारण इसकी तीव्रता भूगर्भ में ही कमजोर पड़ गई और सतह पर नहीं आने पाई। बिहार में भी भूकंप के झटके अनुभव किए गए। इसका केंद्र धरती की सतह से 10 किमी नीचे था। इसलिए असर केवल अनुभव हुआ। बावजूद भविष्य में भूकंप का यह संकेत दिल्ली के लिए विनाश की चेतावनी है। क्योंकि दिल्ली, हरिद्वार और महेंद्रगढ़, देहरादून के ऐसे पठारनुमा टीले पर बसा हुआ है, जहां से भूकंप की भ्रंश रेखा गुजरती है। अतएव यहां हमेशा भूकंप का खतरा बना रहता है। यह संकट इसलिए भी है क्योंकि यमुना नदी के मैदानी क्षेत्र में भूमि की परत नरम है। हालांकि इस भूकंप को विवर्तनिक परत (टेक्टोनिक्स प्लेट) में किसी बदलाव के कारण आना नहीं माना गया था। इसके आने का कारण स्थानीय भूगर्भीय विविधता को माना जा रहा है। याद रहे हिमालय के उत्तरी तलहटी में स्थित चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र शिगात्से के निकट तिंगरी काउंटी में 7 जनवरी 2025 को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 126 लोग मारे गए थे। पड़ोसी देश नेपाल और भारत में भी इसके झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र तिंगरी काउंटी में था, जो हिमालय की चोटी माउंट एवरेस्ट क्षेत्र का उत्तरी द्वार माना जाता है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने इस भूकंप की तीव्रता 7.1 आंकी थी। भूकंप से तिब्बत में किसी बांध या जालाशय को हानि नहीं पहुंची थी, गौरतलब है कि भूकंप ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की योजना ने भारत और बांग्लादेश को चिंता में डाल दिया है। क्योंकि यह पूरा क्षेत्र भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों में टकराव के कारण चीन के दक्षिण-पश्चिम हिस्से नेपाल और उत्तर-भारत में अकसर भूकंप आते रहते हैं। भूकंप की चेतावनी संबंधी प्रणालियां अनेक देशों में संचालित हैं लेकिन वह भूगर्भ में हो रही दानवी हलचलों की सटीक जानकारी समय पूर्व देने में लगभग असमर्थ हैं। क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले अमेरिका, जापान, भारत, नेपाल, चीन और अन्य देशों में भूकंप आते ही रहते हैं, इसलिए यहां लाख टके का सवाल उठता है कि चांद और मंगल जैसे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाने का सपना और पाताल की गहराइयों को नाप लेने का दावा करने वाले वैज्ञानिक आखिर पृथ्वी के नीचे उत्पात मचा रही हलचलों की जानकारी प्राप्त करने में क्यों असफल हैं, जबकि वैज्ञानिक इस दिशा में लंबे समय से कार्यरत हैं। अमेरिका एवं भारत समेत अनेक देश मौसम व भूगर्भीय हलचल की जानकारी देने वाले उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित कर चुके हैं। दरअसल दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में मानवीय हस्तक्षेप शामिल है। इसीलिए इस भूकंप को स्थानीय भूगर्भीय विविधता का कारण माना गया है। दरअसल प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन और फिर शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के लिए शैतानी निर्माण से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है।

कुछ अलग

एक महाकुंभी से मुलाकात

यह सुनकर वह हंसते हुए बोले, 'यह बात तुम्हारे जैसा कोई अधार्मिक व्यक्ति ही कर सकता है जिसे भगवान पर भरोसा न हो। यमुना का दूसरा नाम कालिन्दी है। पर राम जी की गंगा कभी मैली नहीं हो सकती। भारत तो जीता भी राम के नाम पर है और चलता भी उसी के नाम पर है। नहीं तो इतने बड़े देश को चलाना किसी आदमी के बस की बात तो नहीं। हां, मोदी जी जैसा युगपुरूष हो तो बात दूसरी है।' मैं उनसे सहमत होते हुए बोला, 'लगता है आप सही कह रहे हैं। ट्रैफिक जाम से परेशान इलाहाबाद दो महीनों तक हांफता रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुधार लाने की दुहाई देते रहे, पर होइहि सोइ जो राम रचि राखा। को करि तर्क बढ़ावै साखा। अस कहि लगे जपन हरिनामा। गईं सती जहं प्रभु सुखधामा। इस ट्रैफिक जाम के कारण एक भी पुलिस कर्मी निलंबित नहीं हुआ। फिर भी एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम वगैरह पर सिर्फ अपनी भड़ास निकालने या स्वान्तः सुखाय के लिए लोग लिख रहे हैं। जबकि सरकार समर्थक कह रहे हैं कि सरकार ने जो किया उतनी तो हमें उम्मीद भी नहीं थी। मुझे लगता था कि माघ महीना खत्म होते ही भीड़ थम जाएगी। छंट जाएगी। पर मैं गलत साबित हुआ। ऐसे में अगर सरकारी आंकड़ों के हिसाब से स्नानार्थियों का धर्म कांटा एक अरब का आंकड़ा छू जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।' वह मेरी बात पर किसी बच्चे की तरह प्रसन्न होते हुए बोले, 'तुम्हें पता नहीं कि तकरीबन डेढ़ सौ साल बाद आने वाले इस महाकुंभ ने पूरे विश्व में किस तरह भारत को गौरवान्वित होने का अवसर दिया है। यहां तक कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी राष्ट्रपति पद के लिए ली गई शपथ के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में भारत के इस महाकुंभ का जिक्र किया। उनका कहना था कि अगर उनके प्रिय मित्र मोदी ने उन्हें गंगा स्नान के लिए भारत आमंत्रित किया होता तो वह अपने स्पेशल प्लेन से प्रयागराज आते और भारत के उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्क को समाप्त कर देते। कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष इस उम्मीद में बैठे रहे कि मोदी उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए आमंत्रित करेंगे। पर मोदी तो मोदी हैं। वह हर किसी को घास नहीं डालते।' उनकी अखण्ड अंधभक्ति से प्रभावित होते हुए मैंने उनसे पूछा कि झुन्नू जी पुण्य कमाने का इतना बेहतरीन मौका होने के बावजूद कुंभ में ई-रिक्शा, ऑटो या अन्य वाहनों वाले या दुकानदार क्यों श्रद्धालुओं को लूटने में लगे थे। यह सुनकर वह कुछ झेंपे तो सही लेकिन अपने को संभालते हुए बोले, 'घोड़ा अगर घास से दोस्ती करेगा तो खाएगा क्या। भले सरकार कुछ भी दावा करे, पर तुम्हें तो देश की आर्थिकी की सही दशा और दिशा का पता है। अगला महाकुंभ डेढ़ सौ साल बाद आएगा। ऐसे में अगर गरीब लोग ज्यादा दाम वसूल कर कुछ एक्सट्रा कमा लें तो क्या नुकसान है। मेले में आने वाले तो पहले ही लुटने के लिए तैयार आते हैं। पांच रुपए वाला कमला पसंद का पाऊच अगर दस रुपए, दस का समोसा पच्चीस रुपए, बीस रुपए वाली पानी की बोतल पचास रुपए, गंगा जल की पचास रुपए की केन दो सौ रुपए में बिके तो कौनसा आसमान टूट पड़ा। आपदा में अवसर की वकालत तो प्रधानमंत्री भी करते हैं। इसे ही बहती गंगा में हाथ धोना कहते हैं। कोरोना के समय क्या तुमने नहीं देखा कि कुछ सरकारी मुलाजिमों ने किस तरह आपदा में अवसर ढूंढा था।' उनका तर्क सुनकर मुझे लगा कि अंधभक्ति के इस दौर में किसी भी अंधभक्त से जीतना आसान नहीं। चित्त भी उनकी होती है और पट भी। अंटा भी उन्हीं के बाप का है और टकसाल भी।

देश दुनीया से

साजिशों के साए में बेरोजगार युवा

आईपीएल जैसा बेहद महंगा खेल आयोजन कराकर भारत दुनिया को अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था का पैगाम नसर करता है। बेशक भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था में शुमार कर चुका है। मगर हकीकत यह है कि प्रजातंत्र के भविष्य बेरोजगार युवा वर्ग के सितारे गर्दिश में हैं। बेरोजगारी देश में तशवीशनाक मसला बन चुकी है। बेरोजगारी के अजाब ने शिक्षित वर्ग के युवाओं का आत्मसम्मान व आत्मविश्वास छीन लिए हैं। चूंकि भारत में अक्सर सरकारी रोजगार करने वालों को ही इल्मदार समझा जाता है। सियासी रहनुमाओं को आलिम फाजिल माना जाता है। मुल्क के किसी भी निजाम में तब्दीली लाने की सलाहियत युवा वर्ग में ही है। इंतखाबी दौर में हुक्मरानों को अपनी सियासी बज्म की जीनत बढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत युवा वर्ग की ही होती है। सियासी रहनुमाओं को सत्ता के फलक तक पहुंचाने में भी युवा वर्ग का अहम किरदार है। मगर इसे इत्तेफाक कहें या बेरोजगारी की इंतेहा, मसला यह है कि अभिशाप बन चुकी बेरोजगारी की वजह से युवा डिप्रेशन में हैं। नशाखोरी व डंकी रूट के मकडज़ाल में फंस चुके युवाओं के अभिभावक डिप्रेशन में हैं। विदेशों में नौकरी के हसीन ख्वाब दिखाकर युवाओं को फर्जी तरीके से विदेश भेजने का डंकी रूट व कबूतरबाजी जैसा करोड़ों रुपए का अवैध कारोबार लंबे समय से चल रहा है। ट्रैवल एजेंटों के राडार पर भी युवा हैं। ट्रैवल एजेंटों द्वारा फर्जी तरीके से विदेश भेजे गए ज्यादातर युवा बैरूने मुल्कों की जेलों में कैद हैं। नशा तस्करी के इल्जाम में जेलों में बंद ज्यादातर युवा हैं। युवा छात्रों को डाक्टर, इंजीनियर, आर्मी ऑफिसर, पायलट, जज तथा प्रशासनिक अधिकारी बनाने का ख्वाब दिखाने वाले कोचिंग सेंटरों का देश में हजारों करोड़ रुपए का कारोबार चल रहा है। कोचिंग के नाम पर लाखों रुपए की फीस भरने के बावजूद प्रतियोगी परीक्षाओं में असफलता के बाद अवसाद व डिप्रेशन का शिकार होकर युवा छात्र आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा रहे हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग का साया भी युवा छात्रों का पीछा करता है। शिक्षा के नाम पर देश के हजारों छात्र प्रति वर्ष विदेशी शिक्षण संस्थानों का रुख करते हैं। करोड़ों रुपए की महंगी फीस से विदेशी शिक्षण संस्थानों की अर्थव्यवस्था को गुलजार करने वाले भारतीय छात्र विदेशों में नस्लीय हमलों का शिकार होते हैं। भारतीय मूल के छात्रों तथा विदेशों में काम करने वाले युवाओं की हत्याएं की जाती हैं। दहशतगर्दी को जीवित रखने के लिए आतंक के आकाओं को सबसे ज्यादा जरूरत युवा वर्ग की है। अलगाववाद व चरमपंथ की आग भडक़ाने के लिए भी युवाओं को ही मोहरा बनाया जाता है। हमसाया मुल्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत में अराजकता का माहौल पैदा करने के लिए 'हनी ट्रैप' जैसे मंसूबे के जरिए जासूसी के लिए भारतीय युवाओं को अपने जाल में फंसाती है। हनी ट्रैप एक ऐसी साजिश है जिसमें महिला जासूसों का इस्तेमाल करके देश की कई संवेदनशील जानकारियां हासिल की जाती हैं। हनी ट्रैप के एजेंटों के निशाने पर भी ज्यादातर बेरोजगार युवा हैं। हनी ट्रैप का जाल सोशल मीडिया के जरिए फैलाया जाता है। सोशल मीडिया का सबसे बड़ा शिकार भी युवा वर्ग ही है। कई विभागों के अहलकार व युवा अधिकारी तथा बेरोजगार युवा हनी ट्रैप का शिकार होकर सलाखों के पीछे हैं। समाज में संगीन वारदातों के बढ़ते ग्राफ का सबब भी बेरोजगारी है। अपहरण व कत्ल जैसी संगीन वारदातों को अंजाम देने के लिए गैंगस्टरों को बेरोजगार युवा शूटरों की जरूरत रहती है। गैंगस्टर व शूटर बनने की कातिलाना ख्वाहिश में मौत से बेपरवाह होकर युवा अपना मुस्तकबिल बर्बाद कर रहे हैं। इंतखाबी दौर में युवाओं के बेहतर मुस्तकबिल के लिए कई वादे किए जाते हैं। लेकिन सियासत का किरदार कभी मुखलिस नहीं होता। इख्तिदार हासिल होने के बाद तर्ज-ए-सियासत का मिजाज बदल जाता है। आम लोगों को हुक्मरानों के दीदार दुर्लभ हो जाते हैं। बेरोजगारी, महंगाई व नशाखोरी जैसे संवेदनशील मसले सियासत के मरकजी मुद्दे बनने चाहिए, मगर जाति-मजहब की तर्जुमानी करने वाली सियासत आक्रांताओं के महिमामंडन व आरक्षण के चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकल पा रही। किसान-मजदूर व बेरोजगार युवाओं की आजिजी पर चर्चा नहीं होती। गर्दिश-ए-तकदीर को कोस रहे बेरोजगार युवा महंगाई की मार झेलें, भ्रष्टाचार से ग्रसित निजाम से निपटें, व्यवस्थाओं की मिन्नतें करें, अपनी डिग्रियां हाथों में पकड़ कर रोजगार कार्यालयों की तवाफ करें, चुनावी वादों पर भरोसा करें या मुकद्दर पर यकीन करें? रोजगार की जुस्तजू में बैरूने मुल्कों में मुहाजिर बनने को मजबूर बेरोजगारों के रंज-ओ-गम को महसूस करने के लिए सियासी नजर-ए-करम की निहायत जरूरत है। डंकी रूट, कबूतरबाजी, ड्रग्स माफिया, दहशतगर्दी, गैंगस्टरों व हनी ट्रैरप जैसे फ्रॉड तथा चरमपंथी ताकतों का नेटवर्क बेरोजगार युवाओं की तलाश करता है। नशाखोरी, डंकी रूट व हनी ट्रैरप जैसे षड्यंत्रों ने सैकड़ों बेरोजगार युवाओं को अपराधियों की फेहरिस्त में शामिल कर दिया है। साजिशों के साथ तमाम तोहमतें भी बेरोजगारों का ही पीछा करती हैं। आरोपियों को गुनाहगार के नजरिए से देखा जाता है। हमारे मुल्क का अदालती निजाम अंग्रेजों द्वारा बनाया गया है। अदालतों में आरोपियों को बेगुनाह साबित होने में मुद्दतें गुजर जाती हैं। ताजिरात-ए-हिंद के पैरोकार व कानूनी दावपेंच में माहिर आईन के मुनाजिरों से इंसाफ की आस में अभिभावकों की चश्म-ए-पलक की रौशनी छिन जाती है। न्याय की देवी के मंदिरों की चौखट पर तारीख पे तारीख मिलती है। जम्हूरियत की पंचायतों के सेशन हंगामों की भेंट चढ़ जाते हैं। सियासी निजाम से आश्वासन मिलते हैं। अतः राष्ट्र के बेशकीमती सरमाया युवा वेग की ऊर्जावान ताकत की पैरवी करनी होगी। समाज को अपराधमुक्त बनाने के लिए युवा वर्ग को रोजगार मुहैया कराकर स्वावलंबी बनाने के प्रयास होने चाहिए। नशाखोरी से हटाकर उन्हें खेल की ओर मोडऩा होगा।

आप का नजरीया

एक सदन सड़क पर

बस सडक़ पर, ड्राइवर सडक़ पर और 40 स्कूली बच्चों से भरी बस हादसे की ओर निकल पड़ी, लेकिन ऊपरी शिमला के एक छात्र आदित्य मेहता ने ब्रेक लगाकर प्रदेश की हर सुर्खी बटोर ली। इस क्षमता, दिमागी स्फूर्ति, चैतन्य भाव, बहादुरी का अंदाज और कुछ कर दिखाने का जज्बा अंततः एक ऐसी अनुकरणीय कहानी लिख गया, जो किसी पाठ्यक्रम से संभव नहीं। उधर सदन में चारित्रिक खोट निकालने की प्रवृत्ति ने भाषा ईजाद कर ली, लेकिन सफर पर निकले हिमाचल को अंततः सडक़ पर ही पटक दिया जा रहा है। हम आर्थिक संसाधनों की खराब बस पर अनियंत्रित खर्च की कहानी में ब्रेक लगाना भूल गए। क्या इसी बस पर सवार जनता अनिश्चित-असुरक्षित सफर को किसी दिशा में ले जाने के लिए अपनी अपेक्षाएं बदल पाएगी। हम व्यवस्था को कोसते हैं, लेकिन इसी व्यवस्था को नोचते हैं। हमारे सोच और विकास का दायरा, घोषणाओं की चाटुकारिता में यह भूल गया कि राज्य के हर पहलू में हमें हकीकत को अंगीकार करके प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। इसी परिप्रेक्ष्य में देखें तो सियासत के दरवाजे इतने बढ़ गए कि हिमाचली अस्तित्व की बस अपनी ही हवाओं का शिकार हो गई। सदन में कई बार जो बोलता, सडक़ पर नहीं सुनता और जहां सडक़ बोल रही है, सदन की कार्यवाही नहीं सुन रही। बीबीएन के कुछ युवाओं ने मुंडन करवा लिया। मुंडवा दिए सिर के बाल ताकि खबर हो, लेकिन शंका यह कि खबर होगी नहीं। बीबीएन की सडक़ें खराब हैं। वाहनों की ही नहीं, यात्रियों की भी चूलें हिल जाती हैं, छोटे से सफर पर। कई मांग पत्र लिखे गए, दरख्वास्तें बनी होंगी, लेकिन सफर पर निकले महकमे और बजट से निकले अर्थ को फुर्सत नहीं कि कुछ सुना जाए। ऐसे में अगर व्यवस्था मुंडन से जागने लगे, तो हजामत में कृत्रिम गंजापन हमारी वकालत हो जाएगा। हम चाहते हैं हर कुछ, हमारे सिर की खातिर हो जाए, लेकिन नागरिक अपेक्षाओं के सिर-धड़ की बाजी अब मुंडन संस्कार के आक्रोश तक पहुंच गई। मुंडन तो हिमाचल को भी करवाना पड़ रहा है। विधानसभा का पूरा सत्र और सत्र के बाहर विपक्ष का गुस्सा सिर्फ इसी बात पर निकल गया कि राज्य के 'बाल' आखिर काटे किसने। ये कौनसी शक्तियां हैं जो पहाड़ों को समतल बना पा रही हैं और यह कौनसी सडक़ है, जहां से हर दिन एक साथ कई नई जेसीबी मशीनें अपने प्रतिज्ञा पत्र के साथ हिमाचल की हजामत करने आ रही हैं। आश्चर्य होता है कि सदन में मंत्री महोदय के पास आंकड़े होते हैं कि प्रदेश में कृषि और फलोत्पादन बढ़ गया या ग्रामीण आर्थिकी तरक्की कर गई, मगर बाहर सडक़ पर बाहरी प्रदेशों से उपभोक्ता वस्तुओं से लदे ट्रकों की कतार बिना ब्रेक के आ रही है। प्लेट पर रखी ब्रेड, तबे पर चपाती का आटा और कुकर में पक रही बासमती का झाड़ हमारे खेत से तो नहीं आया। हमारे खेत में तो रोज बंदर आता है, वह उगते हर दाने और मूली को उखाड़ हमीं से पूछता है, 'तुम किस खेत की मूली हो।' हमारा खेत अगर मूली के भी काबिल नहीं, तो आवारा पशुओं की बढ़ती तादाद के मायने क्या हैं। हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और प्रदेश के कई अन्य जिलों का किसान अब अपने खेत से नहीं, मुफ्त के राशन से अपना पेट भर पा रहा है, तो किस्सा किस सदन से सुनें।

कार-ट्रोले की भिड़ंत महिला सहित तीन की मौत

हनुमानगढ़ (हिंस)। हनुमानगढ़ के पल्लू थाना क्षेत्र में दुधली गांव के पास मंगलवार को भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। सुबह करीब 11 बजे कार और ट्रोले की आमने-सामने की भिड़ंत के बाद तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। हादसे के बाद ट्रोले का ड्राइवर फरार हो गया। एएसआई परमिंदर सिंह के मुताबिक जोधपुर जिले के फलोदी निवासी लक्ष्मीनारायण (45) और उसकी पत्नी राजूदेवी (40) हनुमानगढ़ जिले के रावतसर जा रहे थे। दंपती ने अपने बेटे का रिश्ता हनुमानगढ़ के रावतसर कस्बे में किया हुआ था। दोनों अपने बेटे की शादी की तैयारियों को लेकर बातचीत करने ही रावतसर जा रहे थे। इसी दौरान दुधली गांव के पास हादसा हो गया। हादसे में पति-पत्नी और कार ड्राइवर गंगाराम (29) की मौके पर ही मौत हो गई। पल्लू पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक कार ड्राइवर गंगाराम अपने भाई की ही गाड़ी किराए पर लेकर आया था। भाई की गाड़ी लेकर वह दुधली के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे ट्रोला में टक्कर हो गई। एएसआई परमिंदर सिंह के अनुसार हादसा ओवर स्पीड और ओवरटेक करने की जल्दबाजी के कारण हुआ।

पंजाब : ईसाई धर्मगुरु बंजिंदर को दुष्कर्म मामले में उम्र कैद की सजा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की मोहाली की अदालत ने बीमार लोगों का चमत्कार से इलाज करने वाले ईसाई धर्मगुरु पादरी बजिंदर सिंह को दुष्कर्म के एक मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मोहाली की जिला अदालत में मंगलवार को यह सजा जज विक्रांत कुमार ने को सुनाई। बजिंदर सिंह एक और यौन उत्पी ?न और एक अन्य महिला से मारपीट के मामलों में फंसा हुआ है। पादरी बजिंदर सिंह कथित चमत्कार से बीमारियां ठीक करने का दावा करता था। बजिंदर सिंह पर 2018 में रेप, मारपीट और धमकी देने के मामले में मोहाली के जीरकपुर थाने में केस दर्ज हुआ था। महिला का कहना था कि वह विदेश में बसना चाहती थी। इसके लिए उसने बजिंदर से संपर्क किया। बजिंदर उसे मोहाली स्थित अपने सेक्टर 63 स्थित घर में ले गया। जहां उसके साथ रेप कर वीडियो बनाया। इस मामले में केस दर्ज होने के बाद 2018 में ही बजिंदर सिंह को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया था। बाद में बजिंदर को जेल से जमानत पर छोड़ा गया। इसी महीने की शुरुआत में 3 मार्च को कोर्ट ने बजिंदर और अन्य 5 आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए थे। 28 मार्च को मोहाली

कोर्ट ने इस मामले में बजिंदर सिंह को दोषी करार दिया। वहीं बाकी 5 आरोपियों, पादरी जतिंदर कुमार और अकबर भट्टी, राजेश चौधरी, सितार अली व संदीप पहलवान को बरी कर दिया। ट्रायल के दौरान एक आरोपी सुच्चा सिंह की मौत हो चुकी है। 28 मार्च को ही बजिंदर को दोषी करार दिया था। इसके बाद उसे पटियाला जेल में बंद कर दिया गया था। कोर्ट का फैसला आने के बाद पीड़िता के वकील अनिल सागर ने बताया कि कोर्ट ने बजिंदर को सजा सुनाते हुए कहा कि उसे अंतिम सांस तक जेल में रहना होगा। सजा से बचने के लिए पादरी बजिंदर ने अदालत को कहा कि उनके बच्चे छोटे हैं। पत्नी बीमार है। मेरी टांग में रॉड पड़ी हुई है, इसलिए मुझ पर रहम किया जाए। मगर कोर्ट ने उसकी दलीलों को खारिज कर दिया।

सरकारी स्कूल के बच्चों ने सड़क पर बैठकर मनाया प्रवेश उत्सव

कंडम घोषित हुई बिल्डिंग दो वर्ष बाद तक भी नहीं बनी

हिसार (हिंस)। जिले के कस्बा हांसी के मोची मोहल्ला के सरकारी स्कूल की खस्ता हालत के चलते बच्चे दर—दर भटकने को मजबूर है। यहां के प्राथमिक स्कूल का भवन वर्ष 2023 में कंडम घोषित कर दिया गया था और इसके निर्माण के लिए टेंडर भी अलॉट हो गया लेकिन लगातार आ रही अड़चनों के चलते भवन निर्माण पूरा नहीं हो पाया। इसकेचलते इस स्कूल के बच्चों को नजदीक के पीसीएसडी स्कूल के भवन में शिफ्ट किया गया था लेकिन अब वहां से भी उन्हें वापिस भेज दिया गया है क्योंकि वहां केवल छह माह के लिए दो कमरे मुहैया करवाए गए थे। हांसी के मोची मोहल्ला के इस सरकारी स्कूल में पांच कक्षाओं के 126 बच्चे हैं। पीसीएसडी स्कूल प्रशासन का कहना है कि उन्होंने सरकारी स्कूल को छह महीने के लिए कमरे मुहैया करवाए थे। जब तक उनके स्कूल की बिल्डिंग का निर्माण नहीं हो जाता। मगर एक लंबा अरसा बीत जाने के बाद भी स्कूल की बिल्डिंग का निर्माण शुरू नहीं हुआ है। इसके बाद मंगलवार को पीसीएसडी स्कूल प्रशासन ने सरकारी स्कूल के बच्चों को अपने स्कूल की बिल्डिंग में बैठाने से मना कर दिया। इसके चलते स्कूल स्टाफ ने बच्चों को बाहर सड़क पर बैठा दिया जिस पर काफी हंगामा हो गया। स्कूली बच्चों के सड़क पर बैठने की सूचना मिलने पर बच्चों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मौके पर नायब तहसीलदार, खंड शिक्षा अधिकारी और पार्षद रमेश सिसोदिया भी पहुंच गए। पीसीएसडी स्कूल प्राचार्या उर्मिला ने कहा कि उनके खुद के स्कूल के 400 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और शौचालय भी एक ही होने के कारण बच्चों को और जगह दिए जाने पर असमर्थता जताई। उन्होंने कहा कि जैसा भी स्कूल मैनेजमेंट और प्रशासन से बातचीत में हल निकलेगा वह निकल जाएगा। उधर, प्राथमिक स्कूल प्रभारी शकुंतला ने बताया कि उनके स्कूल में पांच कक्षाओं के करीब 126 छात्र शिक्षा ग्रहण करते हैं। वर्ष 2023 में स्कूल बिल्डिंग के कंडम हो जाने के बाद पीसीएसडी स्कूल में दो कमरों में इतने बच्चों को व्यवस्थित करने पर मजबूर हो गए हैं। इन्हीं कमरों में स्कूल का कार्यालय और मिड डे मील का भी निर्माण होता है। टीचर ने कहा कि आज हमारा प्रवेश उत्सव इस तरह से मनाया जाएगा, इसकी हमें उम्मीद नहीं थी। शिक्षा अधिकारी जिले सिंह ने कहा कि हम निजी स्कूल प्रबंधन से बात कर और समय की मांग करेंगे, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो सके। स्कूल के निर्माण के लिए 59.83 लाख रुपए आवंटित भी हो गए थे, मगर राशि जारी नहीं हो पाई थी जिस कारण किसी भी ठेकेदार ने काम शुरू नहीं किया। इस संबंध में नायब तहसीलदार दयाचंद ने कहा कि वह खुद स्कूल मैनेजमेंट से बात कर रहे हैं, ताकि और समय मिल सके। पीसीएसडी स्कूल को कुछ किराया देने के बारे में उन्होंने कहा कि ऐसा अभी कोई आदेश नहीं है। बच्चों के नए एडमिशन के लिए माता-पिता पहुंच रहे हैं, मगर उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा हैं।

नववर्ष में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्मिकों को सौगात

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष विक्रम संवत (2082) एवं नवीन वित्तीय वर्ष 2025-26 के अवसर पर राज्य कार्मिकों को महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत वृद्धि की सौगात दी है। पेंशनर्स को भी महंगाई राहत में 2 प्रतिशत वृद्धि देय होगी। उल्लेखनीय है कि गत शुक्रवार को केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कार्मिकों के डीए में बढ़ोतरी की गई थी। इस बढ़ोतरी के बाद पहले कार्यदिवस पर ही मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिना देरी किए राज्य में भी केंद्र सरकार के कर्मचारियों के अनुरूप महंगाई भत्ता अथवा मंहगाई राहत में वृद्धि को मंजूरी प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को इस संबंध में वित्त विभाग के प्रस्ताव का अनुमोदन किया। अब प्रदेश में सातवें वेतनमान के अंतर्गत राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को 1 जनवरी 2025 से 53 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता अथवा मंहगाई राहत देय होगी। इस निर्णय का लाभ लगभग 8 लाख कर्मचारियों एवं 4.40 लाख पेंशनर्स को मिलेगा। पंचायत समिति तथा जिला परिषद के कर्मचारियों को भी इस वृद्धि का लाभ मिलेगा। कर्मचारियों को मई 2025 में देय अप्रेल 2025 के वेतन से बड़े हुए महंगाई भत्ते का

नकद भुगतान किया जाएगा तथा 01 जनवरी से 31 मार्च 2025 तक तीन माह की राशि संबंधित कर्मचारियों के सामान्य प्रावधायी निधि खाते में जमा की जाएगी। पेंशनरों को 01 जनवरी, 2025 से महंगाई राहत का नकद भुगतान किया जायेगा। कर्मचारियों और पेंशनरों के हित में लिए गए इस संवेदनशील निर्णय से राज्य सरकार पर लगभग 820 करोड़ रुपए का वार्षिक वित्तीय भार आएगा।

पंजाब पुलिस ने साढ़े तीन किलोग्राम हेरोइन के साथ एक आरोपी पकड़ा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग फिरोजपुर ने 3.5 किलो हेरोइन के साथ एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर सीमा पार से नशा तस्करी करने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को यह जानकारी दी। डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सुखदेव सिंह उर्फ सुखी निवासी मोहन के उत्तर, फिरोजपुर के रूप में हुई है। हेरोइन की बरामदगी के अलावा, पुलिस टीमों ने उसकी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (पी बी -05- ए एम -5620), जिस पर वह सवार था, उसको भी जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों के सीधे संपर्क में था, जो सीमा पार से ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की खेप भेज रहे थे।

प्रदेश सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए कृत संकल्पित : पटेल

जोधपुर (हिंस)। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। इस दौरान पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान एवं कल्याण के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार वर्ष 2030 तक राजस्थान की अर्थव्यवस्था 350 बिलियन डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। पटेल ने कहा कि प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखकर बजट घोषणा के अनुरूप इस वर्ष दो हजार 500 हैण्डपम्प लगाए जाएंगे। पेयजल संबंधी समस्या का तत्काल निराकरण के लिए प्रत्येक जिला कलेक्टर को समर कंटिंजेंसी के अंतर्गत एक करोड़ रुपए का अनटाइड फंड भी उपलब्ध करवाया गया है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि जनता तथा क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के प्रति अधिकारी गंभीरता बरतें तथा जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए सुशासन से परिपूर्ण राज-काज का आदर्श प्रस्तुत करें। इसके लिए विभागीय स्तर पर जन समस्याओं के निस्तारण के लिए पहल करें ताकि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण शीघ्रातिशीघ्र हो सके और इसके लिए उन्हें अनावश्यक देरी का सामना न करना पड़े। उन्होंने आमजन की समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए उनके संतोषपूर्ण एवं त्वरित समाधान के लिए व्यापक दिशा-निर्देश प्रदान किए। जनसुनवाई में पंचायतीराज, राजस्व, डिस्कॉम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जोधपुर विकास प्राधिकरण एवं जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवादों पर सुनवाई कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। खेजड़ली शहीदी राष्ट्रीय पर्यावरण संस्थान जोधपुर के प्रतिनिधि मंडल ने बजट घोषणा में अमृतादेवी बिश्नोई इंडीजीनस प्लांट म्यूजियम और जोधपुर से खेजड़ली तक एसएच 61 सड़क चौड़ाईकरण कार्य लागत राशि 25 करोड़ रुपए के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल का आभार जताया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि जन आकांक्षाओं के अनुरूप प्रदेश के चहुंमुखी विकास को समर्पित वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट प्रस्तुत किया गया है। बजट घोषणाओं का तय समयावधि में धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान पूर्व विधायक मलखानसिंह बिश्नोई, डेयरी चेयरमैन रामलाल, सुरेश बाबल, पोकरराम, राकेश बिश्नोई, श्याम खीचड़, अधिशाषी अभियंता (पीएचइडी) महेंद्र किराड़, सहायक अभियंता (डिस्कॉम) संदीप पंवार सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

लालू यादव से मुलाकात के बाद जदयू एमएलसी ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर किया विरोध

पटना (हिंस)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) से विधान परिषद सदस्य गुलाम गौस ने लालू यादव से ईद के दिन मुलाकात के एक दिन बाद आज वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है, तब से कभी लव जिहाद, कभी सीएए, कभी मॉब लिंचिंग, कभी ट्रिपल तलाक और अब वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस विवाद है। वक्फ संशोधन विधेयक हमारा धार्मिक मामला है। विविधता में एकता हमारी विशेषता है। मैं निश्चित रूप से इन सभी मुद्दों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने उठाऊंगा। गुलाम गौस ने कहा कि मौलाना आजाद फाउंडेशन द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति भी बंद कर दी गई। इसके अतिरि क्त कई ऐसे मामले सामने आए हैं जिसमें अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाया है। हम अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सभी मुद्दों पर मुख्यमंत्री नीतीश के सामने अपनी बात रखेंगे। दूसरी ओर वक्फ संशोधन विधेयक पर जदयू सांसद संजय झा ने कहा कि नीतीश कुमार पिछले 20 सालों से बिहार में काम कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने मुस्लिम समुदाय के लिए जो काम किया है, वो भी दिख रहा है। वक्फ बिल पहली बार नहीं आ रहा है। इससे पहले 2013 में भी संशोधित विधेयक आया था। हमारी पार्टी ने कहा था कि इसे पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू नहीं किया जाना चाहिए और हमें उम्मीद है कि सरकार इस पर विचार करेगी। जब तक नीतीश कुमार राजनीति में हैं, लोगों के हितों की रक्षा की जाएगी।

दंगा करने की हिम्मत की तो दंगाई की संपत्ति बांट दी जाएगी गरीबों को : योगी

सीएम योगी ने किया उत्तर प्रदेश के बरेली में 932 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

बरेली (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ साल में बरेली समेत सूबे भर में कहीं भी दंगे नहीं हुए। यदि अब किसी ने दंगा करने की हिम्मत की तो दंगाई की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दी जाएगी। समाजवादी सरकार ने ने गोवंश को लावारिस छोड़ दिया था। उनके मुखिया कहते हैं कि गोबर से दुर्गंध आती है। ये उनकी असलियत है। वे गौमाता को कसाइयों के हवाले करते थे। हमने कसाइयों को जहन्नुम भेजा, तो सपा को परेशानी हुई। वह बरेली में मंगलवार को स्कूल चलो अभियान और संचारी रोग नियंत्रण अभियान के शुभारंभ के मौके पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बरेली में 932 करोड़ रुपए की 132 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पूरे प्रदेश के लिए 2500 नई एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बरेली

कॉलेज ग्राउंड से मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गो-तस्करों और कसाइयों के साथ जिनके संबंध थे, वे गौमाता की सेवा क्या जानें। उनको गौमाता के गोबर में तो दुर्गंध ही नजर आएगी। उन्हें अपने कृत्यों में दुर्गंध नजर नहीं आती है। 2017 से पहले बरेली में हर साल पांच-सात दंगे आम बात थी। अब बरेली में दंगा नहीं, चंगा है। उन्होंने कहा कि जिन एंबुलेंस को आज हरी झंडी दिखाई गई है, उनसे स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सश क्त होंगी। 2017 से पहले 108 एंबुलेंस सेवा का रिस्पांस टाइम 17 से 19 मिनट था, जिसे अब घटाकर 7 मिनट से कम किया गया है। इन्सेफलाइटिस, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से निपटने के लिए यह अभियान जरूरी है। इस मौके पर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, टूलकिट और आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए। योगी ने बताया कि शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारने के लिए 1.25 लाख से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गई है। अब स्कूलों को इंटीग्रेटेड स्कूल कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश में 16 अटल आवासीय विद्यालय शुरू किए गए हैं, जो श्रमिकों के बच्चों के लिए मॉडल स्कूल के रूप में कार्य करेंगे। 2017 से पहले सरकारी स्कूलों की हालत खराब थी। अब 1.91 करोड़ छात्रों के बैंक खातों में 1200 रुपए भेजे जा रहे हैं। सरकार द्वारा दो यूनिफॉर्म और संपूर्ण ड्रेस अनिवार्य रूप से दी जा रही है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ. डीसी वर्मा, डॉ. श्याम बिहारी लाल, संजीव अग्रवाल व कुंवर महाराज सिंह, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, आंवला जिला अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, विशेष सचिव मुख्यमंत्री ईशान प्रताप सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा, कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक डॉ. राकेश सिंह, एसएसपी अनुराग आर्य आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान में फैक्टरी से गैस लीक, तीन की मौत

अजमेर (हिंस)। राजस्थान के ब्यावर के बाड़िया क्षेत्र में तेजाब फैक्टरी के गोदाम में खड़े टैंकर से नाइट्रोजन गैस के लीक होने से कंपनी मालिक सहित तीन लोगों की मौत हो गई। तीन लोगों की हालत अब भी गंभीर है। हादसे से प्रभावित 60 से ज्यादा लोगों को ब्यावर और अजमेर के सरकारी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। गैस के असर से कई पालतू जानवरों और लावारिस कुत्तों की भी मौत हुई है। यह वाकया ब्यावर थाने के बाड़िया क्षेत्र की सुनील ट्रेडिंग कंपनी में सोमवार रात हुआ। हादसे में कंपनी मालिक सुनील सिंघल की मौत हो गई, जो रातभर गैस को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें अजमेर रेफर किया गया। सोमवार रात को ही उनकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह एक और पीड़ित नरेंद्र सोलंकी की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। जेएलएन हॉस्पिटल में दो लोग अब भी आईसीयू में है और एक गैसकांड प्रभावित का जनरल वार्ड में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार कंपनी के गोदाम में खड़े टैंकर से नाइट्रोजन गैस का रिसाव हुआ। रिसाव इतना तेज था कि कुछ सेकंड में ही गैस आसपास के रिहायशी इलाके में फैल गई। घरों के अंदर मौजूद लोग भी इसकी चपेट में आ गए। लोगों को दम घुटने के साथ आंखों में जलन की भी परेशानी हुई। मौके पर पहुंचे पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने पीड़ितों को हॉस्पिटल पहुंचाया। वहीं, सूचना मिलने पर पुलिस, प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और रात में ही गैस लीकेज पर काबू पा लिया गया। एहतियातन फैक्टरी के आसपास के क्षेत्र को खाली करवा दिया गया। स्थानीय लोगों में अभी भी दहशत का माहौल है। कलेक्टर डॉ. महेंद्र खडगावत ने फैक्टकी को सीज करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस को तत्काल प्रभाव से मामला दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

बिहार में 10 वर्षों में रिकॉर्ड 1.46 करोड़ शौचालयों का हुआ निर्माण

खुले में शौच मुक्त हुआ बिहार

पटना (हिंस)। ग्रामीण इलाकों में शौचालय निर्माण और स्वच्छता के क्षेत्र में बिहार ने बड़ी सफलता हासिल की है। बिहार खुले में शौच करने से मुक्त हो गया है। राज्यभर में वर्ष 2014 से अब तक करीब 10 सालों में एक करोड़ 46 लाख से अधिक व्यि क्त गत शौचालयों का निर्माण लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत किया गया है। आंकड़े बताते हैं कि बिहार सरकार के ग्रामीण विकास विभाग का यह अभियान पूरे राज्य में सफल रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निश्चय-एक के तहत *शौचालय निर्माण, घर का सम्मान* की लक्ष्य प्राप्ति के लिए लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान प्रथम चरण (वर्ष 2014-15 से 2019-20) में राज्य के 122.15 लाख परिवारों के लिए व्यि क्त गत शौचालय बनवाए गए। इस अभियान में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय की सुलभता एवं उपयोग की निरंतरता को प्रोत्साहित करने के लिए सभी श्रेणी के परिवारों को 12 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया। इसके साथ ही लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत अब तक नौ हजार 824 सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण कराया गया है। वहीं, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान द्वितीय चरण (वर्ष 2021-22 से 2025 26) के तहत 24.70 लाख शौचालयों का निर्माण किया गया है। इस तरह पिछले 10 वर्षों में एक करोड़ 46 लाख से अधिक व्यि क्त गत शौचालयों का निर्माण हुआ है। होगा। बिहार को पूर्ण स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से केंद्र प्रायोजित स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं राज्य वित्त संपोषित लोहिया स्वच्छता योजना को राज्य सरकार द्वारा समेकित करते हुए लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान का संचालन किया जा रहा है। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के द्वितीय चरण के तहत अब वित्तीय वर्ष 2025-26 में करीब आठ लाख नये परिवार या किसी कारणवश छूटे हुए परिवारों को व्यि क्त गत शौचालय की सुलभता प्रदान करने का लक्ष्य रखा है। ग्रामीण अपशिष्ट प्रबंधन के लिए डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए एक लाख से अधिक रिक्शों का उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही भूमिहीन परिवारों, चलंत आबादी और अस्थायी आबादी को शौचालय उपलब्ध कराने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार सामुदायिक स्वच्छता परिसर/ क्लस्टर शौचालय का भी निर्माण किया जाएगा। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन से न केवल बिहार खुले में शौच मुक्त हुआ है बल्कि ग्रामीण परिवारों को स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा भी मिली है। बिहार सरकार की यह पहल राज्य को स्वच्छता के नए आयाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही है और आने वाले वर्षों में इसे और मजबूती प्रदान की जाएगी।

नहाय-खाय के साथ शुरु हुआ लोक आस्था का महापर्व चैती छठ

पटना (हिंस)। लोक आस्था के महापर्व चैती छठ पूजा की आज मंगलवार से नहाय-खाय के साथ शुरु हो गई। नहाय-खाय में व्रती स्नान कर नए वस्त्र धारण करते हैं और चने की दाल, कद्दू की सब्जी, और चावल ग्रहण करते हैं। इस दिन घर की साफ-सफाई और शुद्धिकरण पर जोर दिया जाता है। खरना को दूसरे दिन व्रती दिन भर उपवास रखकर शाम को गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस प्रसाद को पूरे समुदाय में बांटा जाता है। तीसरे दिन संध्या अर्घ्य दिया जाता है। यह मुख्य दिन होता है। श्रद्धालु नदी या तालाब के किनारे जाकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस दौरान बांस की टोकरी में ठेकुआ, फल और गन्ना रखकर विशेष भागवान भास्कर की पूजा की जाती है। अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन किया जाता है। इसके बाद प्रसाद वितरण और पारंपरिक गीतों के साथ उत्सव मनाया जाता है। पटना जिला प्रशासन की ओर से लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को देखते हुए 41 गंगा घाट और सात तालाबों को तैयार किया गया है। जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से घाटों की सफाई और एप्रोच रोड के साथ गंगा नदी में बेरीकेडिंग, शुद्ध पेजल, लाइटिंग, शौचालय और चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। गंगा घाटों पर मेडिकल टीम की भी प्रतिनियुि क्त की गई है। गंगा नदी में लगातार एसडीआरएफ की टीम के द्वारा पेट्रोलिंग की जा रही है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि गंगा नदी में किए

गए बेरीकेडिंग को पर ना करें। नहाय-खाय के दिन पटना के गंगा घाटों पर छठव्रतियों की काफी भीड़ देखने को मिली। बड़ी संख्या में छठव्रती ने गंगा में डुबकी लगाई और गंगाजल अपने सिर पर रखकर घर ले गए। राजधानी पटना समेत बिहार के दरभंगा, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, गया जैसे शहरों में गंगा और अन्य नदियों के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। यह पर्व सूर्य देवता और छठी मईया की उपासना का प्रतीक है, जो न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक एकता का भी परिचय देता है। छठ पूजा मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला चार दिवसीय महापर्व है। छठव्रती ने बताया कि यह साल में दो बार-चैत्र माह में चैती छठ और कार्तिक माह में कार्तिकी छठ के रूप में मनाया जाता है। चैती छठ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को होती है, जो आमतौर पर मार्च-अप्रैल में पड़ती है। पौराणीक मान्यताओं के मुताबिक महाभारत काल में द्रौपदी ने पांडवों की खोई हुई राजसत्ता वापस पाने और संतान प्राप्ति के लिए छठ व्रत किया था। एक अन्य कथा के अनुसार, भगवान राम और सीता ने अयोध्या लौटने पर कार्तिक मास में छठ पूजा की थी। स्थानीय लोक कथाओं में छठी मईया को सूर्य देव की बहन और संतान रक्षक देवी माना गया है। इस प्रकार, यह पर्व प्रकृति पूजा और स्त्री-शि क्त के सम्मान का भी प्रतीक है।

अमेरिकी फर्म की रिपोर्ट में सोने की कीमत में बड़ी गिरावट की आशंका, फिलहाल ऑल टाइम हाई पर पहुंचा हुआ है सोना

नई दिल्ली

अमेरिकी अर्थव्यवस्था की अनिश्चितता, ट्रेड वॉर शुरू होने का डर और वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की आशंका की वजह से देश और दुनिया में सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंच कर कारोबार कर रहा है। आने वाले दिनों में इस चमकीली धातु में और तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। इसी बीच फाइनेंशियल सर्विस देने वाली एक अमेरिकी फर्म ने अपने एक एनालिसिस में आने वाले सालों में सोने के भाव में जोरदार गिरावट आने की भविष्यवाणी करके सबको चौंका दिया है। दावा किया जा रहा है कि आने वाले सालों में सोने की कीमत में 35 से 38 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 3,148.89 डॉलर प्रति औंस के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह घरेलू सर्राफा बाजार में भी सोना अभी तक के सर्वोच्च स्तर 92,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच कर कारोबार कर रहा है। माना जा रहा है कि जब तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उठा पटक शांत नहीं होगी, तब तक सोने के भाव में इसी तरह तेजी का रुख बना रहेगा। बाजार की अनिश्चितता के कारण निवेशक फिलहाल सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने में पैसा लगाना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इसी वजह से ये चमकीली धातु लगातार मजबूती के नए-नए रिकॉर्ड बना रही है।

ऐसे समय में अमेरिका में फाइनेंशियल सर्विस देने वाली फर्म मॉर्निंगस्टार इंक की एक रिपोर्ट में आने वाले दिनों में सोने की कीमत में बड़ी गिरावट आने की भविष्यवाणी करके सबको चौंका दिया है। इस अमेरिकी फर्म का कहना है कि सोने की कीमत गिर कर 1,780 डॉलर से लेकर 1,820 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोने की कीमत में आई जोरदार तेजी के कारण दुनिया भर में इसकी माइनिंग में भी तेजी आ गई है। चीन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और पेरू जैसे कई स्वर्ण उत्पादक देशों ने पिछले 1 साल की अवधि में सोने के उत्पादन में 40 से 52 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

कामर्शियल गैस सिलेंडर 44.50 रुपये तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

नई दिल्ली। नए वित्त वर्ष के महीने की पहली तारीख कुछ लोगों के लिए राहत लेकर आई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 44.50 रुपये तक की कटौती घोषित की है । नई दरें लागू हो गयी हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 44.50 रुपये तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 41 रुपये घटकर 1762 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई। पहले ये 1803 रुपये में मिल रहा था। वहीं कोलकाता में इसका दाम 44.50 रुपये घटकर 1868.50 रुपये में मिल रहा है, जो पहले 1913 रुपये मे मिल रहा था। इसी तरह देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कॉमर्शियल गैस की कीमत 1755.50 रुपये प्रति सिलेंडर से 42 घटकर रुपये 1713.50 रुपये हो गया है। इसके अलावा चेन्नई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 1921.50 का मिल रहा है। हालांकि, तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि यानि 1 अप्रैल से शुरू हो रहे वित्तीय वर्ष से 12 लाख रुपये तक की कमाई पर इनकम टैक्स नहीं देना होगा। इसके अलावा मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया, हुंडई इंडिया और होंडा की गाड़ियों के दाम बढ़ जाएंगे।

इंडसंड बैंक में सरकारी बैंकों का निवेश, सीडी बाजार का सहारा लिया, नेटवर्थ में 2.35 प्रतिशत का विपरीत असर पड़ा

नई दिल्ली। बैंकिंग सेक्टर में एक नया मुद्दा उभरा है जब इंडसइंड बैंक ने अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में

गड़बडियां पाने के इस्तीफे के बाद सीडी बाजार का सहारा लिया। इस बारीकी से समझाया जा रहा है कि इसके साथ जुड़े सरकारी बैंकों को भी इस असमंजस का सामना करना पड़ा है। मार्च में, इंडसइंड बैंक ने अपनी सीडी से 16,550 करोड़ रुपये जुटाए, वहीं बाजार में जोरादार प्रतिशत दरों के साथ। इस निवेश के संदर्भ में एक बड़े बैंक के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि इंडसइंड के सीडी पर जिन दरों की पेशकश की गई थी, हर कोई उसमें निवेश करना चाहेगा। यह निवेश सरकारी बैंकों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, खासकर उनको उधारी की लागत को कम करने में मदद मिली। हालांकि, बैंक के इंटरनल ऑडिट में दर्ज गड़बड़ियों ने लोगों को चौंकाया, जिससे उसके नेटवर्थ में 2.35 प्रतिशत का विपरीत असर पड़ा है। इससे वह धन जुटाने के लिए उसकी सीडी को सबस्क्राइब करने वाले इन्वेस्टर्स भी परेशान हो रहे हैं। बैंकिंग सेक्टर में इस असमंजस का मामला गहराता जा रहा है, क्योंकि इंडसइंड बैंक के इस चिंताजनक परिस्थिति ने सरकारी बैंकों को चुनौती दी है। अब देखना होगा कि कैसे इन संघर्षों का हल निकलता है और बैंकिंग सेक्टर का कैसा प्रभाव होता है ।

पीएफ ऑटो-क्लेम लिमिट बढ़कर हुई 5 लाख

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7.5 करोड़ सदस्यों के लिए एक बड़ी

खुशखबरी दी है, जिसमें पीएफ निकासी की ऑटो सेटलमेंट लिमिट को 5 लाख रुपए तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी। नए बदलाव के तहत ईपीएफओ के सदस्य अब शादी, शिक्षा और घर खरीदने के लिए भी पीएफ ऑटो-क्लेम की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा पहले केवल बीमारी और अस्पताल के खर्च के लिए ही उपलब्ध थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह निर्णय श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा के अध्यक्षता में केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की 113वीं बैठक में लिया गया था जो 28 मार्च को श्रीनगर में हुई थी। सीबीटी से मंजूरी मिलने के बाद, यह सुविधा जल्द ही शुरू हो जाएगी और कर्मचारी आसानी से अपना पीएफ निकाल सकेंगे। इसके साथ ही अब 95 फीसदी क्लेम ऑटो-प्रोसेस होंगे और कर्मचारियों को पीएफ का पैसा तुरंत मिलेगा। ईपीएफओ के अनुसार, इस कदम से कागजी कार्यवाही कम होगी और भविष्य निधि निकालने की प्रक्रिया भी तेज होगी। इस नए बदलाव के साथ, सदस्य यूपीआई और एटीएम के माध्यम से मई या जून के अंत तक तत्काल पीएफ निकाल सकेंगे। श्रम एवं रोजगार सचिव सुमिता डावरा ने बताया कि सदस्य सीधे यूपीआई प्लेटफॉर्म पर अपना पीएफ बैलेंस भी देख सकेंगे और बिना किसी देरी के अपने पसंदीदा बैंक खातों में फंड ट्रांसफर कर सकेंगे। यह नए बदलाव कर्मचारियों के लिए जरूरत के समय अपने पैसे तक पहुंचने में मदद करेगा ।

डिजिटल भुगतान में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने में आरबीआई की भूमिका अहम : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/मुंबई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि 'विकसित भारत 2047' का मिशन एक ऐसे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र की मांग करता है, जो नवोन्मेषी, अनुकूलनीय और सभी के लिए सुलभ हो। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने भारत को डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुंबई में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की 90वीं वर्षगांठ के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि केंद्रीय बैंक के रूप में आरबीआई भारत की अविश्वसनीय विकास गाथा के केंद्र में है। आरबीआई की पिछले 90 वर्ष की उल्लेखनीय यात्रा की सराहना करते हुए उन्होंने इस बात जोर दिया कि सभी के वास्ते सुलभ वित्तीय परिवेश तंत्र 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने भारत को डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में आरबीआई इस यात्रा में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा जिसमें एक सुदृढ़ बैंकिंग प्रणाली सुनिश्चित करना, वित्तीय नवाचार को बढ़ावा देना और हमारे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में विश्वास की रक्षा करना शामिल है। राष्ट्रपति ने कहा कि आरबीआई न केवल बदलते समय के साथ विकसित हुआ है, बल्कि भारत के वित्तीय परिवर्तन का एक प्रमुख वास्तुकार भी रहा है। मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने से लेकर मौद्रिक स्थिरता बनाए रखने और मजबूत आर्थिक विकास को सक्षम करने तक, देश की आर्थिक नियति को आकार देने में इसकी भूमिका मौलिक रही है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास के साथ वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर खतरों का जोखिम भी बढ़ रहा है। इस बढ़ती चिंता के लिए निरंतर सतर्कता की जरूरत है। इसके लिए आरबीआई सक्रिय कदम उठा रहा है, सुरक्षा उपायों को मजबूत कर रहा है और सुरक्षित बैंकिंग वातावरण सुनिश्चित कर रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आरबीआई ने पिछले कुछ वर्षों में नाबार्ड, आईडीबीआई, सिडबी और राष्ट्रीय आवास बैंक जैसी प्रमुख संस्थाओं की स्थापना करके देश की वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि रिजर्व बैंक देश में सबसे महत्वपूर्ण संस्थानों में से एक के रूप में उभरा है। उन्होंने बताया कि एक आम आदमी या महिला का आरबीआई से कोई सीधा संपर्क नहीं होता है, सिवाय उनके जेब में रखे नोटों पर छपे आरबीआई के नाम के, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से उनके सभी वित्तीय लेन-देन रिजर्व बैंक के जरिए ही नियंत्रित होते हैं। उन्होंने कहा कि नौ दशकों में रिजर्व बैंक की सबसे बड़ी उपलब्धि यह भरोसा है। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण से लेकर कोरोना महामारी तक प्रमुख चुनौतियों के प्रति आरबीआई की त्वरित प्रतिक्रियाओं ने सुनिश्चित किया है कि भारत की वित्तीय प्रणाली किसी भी प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय प्रवृत्तियों का सामना करने में लचीली बनी रहे।

भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों 100 फीसदी टैरिफ लगाता है, अब रिसिप्रोकल टैरिफ की बारी : अमेरिका

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाता है, और कनाडा अमेरिकी मक्खन और चीज़ पर लगभग 300 फीसदी शुल्क वसूलता है। इससे अमेरिकी उत्पादों का इन बाजारों में आयात करना लगभग असंभव हो जाता है और बीते कई दशकों में इससे कई अमेरिकी व्यवसाय बंद हुए हैं और लोगों की नौकरियां चली गई हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित रिसिप्रोकल टैरिफ नीति के लागू होने में सिर्फ एक दिन बाकी है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क अमेरिकी उत्पादों को उन देशों में निर्यात करना लगभग असंभव बना देते हैं। ट्रंप ने भारत और अन्य देशों द्वारा अमेरिकी सामान पर लगाए जाने वाले ऊंचे टैरिफ की बार-बार आलोचना की है। डॉनल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से लागू कर सकता है एक नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी कैरोलिन लेविट ने कहा कि दुर्भाग्य से इन देशों ने बहुत लंबे समय से हमारे देश का शोषण किया है और मुझे लगता है कि उन्होंने अमेरिकी कामगारों के प्रति अपनी उपेक्षा को बहुत साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर आप अनुचित व्यापार प्रथाओं को देखें यूरोपियन यूनियन अमेरिकी डेयरी उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाता है, जापान अमेरिकी चावल पर 700 फीसदी तक का शुल्क लेता है। डॉनल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से एक नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी लागू करने की योजना बनाई है, जिसे वह अमेरिका के लिए मुक्ति दिवस बता रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि 2 अप्रैल से रिसिप्रोकल टैरिफ पॉलिसी बिना किसी अपवाद के सभी देशों पर लागू होंगे।

ब्रॉडबैंड यूजर्स टेलीकॉम कंपनियों की सेवाओं से नाराज, ऑपरेटर बदलने की फिराक में

नई दिल्ली

इंटरनेट कनेक्शन में आ रही परेशानियों के कारण ब्रॉडबैंड कनेक्शन लेने वाले 62 फ़ीसदी यूजर्स अपने टेलीकॉम ऑपरेटरों से नाराज हैं। वह ऑपरेटर बदलना चाहते हैं।

ब्रॉडबैंड कनेक्शन में फाइबर और डिजिटल सब्सक्राइबर दोनों शामिल है। इंटरनेट कनेक्शन में बार-बार रुकावट आने और कम स्पीड मिलने की शिकायत लगभग सभी उपभोक्ता कर रहे हैं।

सोशल मीडिया कम्युनिटी प्लेटफार्म पर किए गए एक सर्वे की रिपोर्ट में, उजागर हुआ है। 66 फीसदी उपभोक्ता अपने सर्विस प्रोवाइडर को बदलना चाहते हैं। सर्विस प्रोवाइडर, उपभोक्ताओं द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद भी शिकायतों का निवारण नहीं करते हैं। 36 फ़ीसदी उपभोक्ताओं को शिकायत थी। हर महीने उन्हें इसी तरीके की शिकायतों से गुजरना पड़ता है।

एआई विस्तार के लिए ओपनएआई 40 अरब डॉलर जुटाएगा

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) सेक्टर की प्रमुख कंपनी ओपनएआई ने घोषणा की कि वह 300 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 40 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाने पर विचार कर रही है। इस फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक ग्रुप करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फंडिंग का उद्देश्य एआई रिसर्च को आगे बढ़ाना, कंप्यूटेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और कंपनी के टूल्स को और और बेहतर बनाना है। रिपोर्ट के मुताबिक इस राउंड में कुल निवेश का 75 प्रतिशत हिस्सा सॉफ्टबैंक की ओर से आएगा। फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक ग्रुप करेगा बाकी की राशि माइक्रोसाफट, कोटक मैनेजमेंट, एल्टिमेटर कैपिटल और थ्राइव कैपिटल जैसे निवेशकों द्वारा दी जाएगी। ओपनएआई ने कहा है कि वह हर हफ्ते चेटजेपीटी का इस्तेमाल करने वाले 50 करोड़ यूजर्स के लिए और भी पावरपूल टूल्स उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहा है। हाल के वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर को लेकर निवेशकों का उत्साह तेजी से बढ़ा है।

ओला इलेक्ट्रिक ने मार्च में 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया

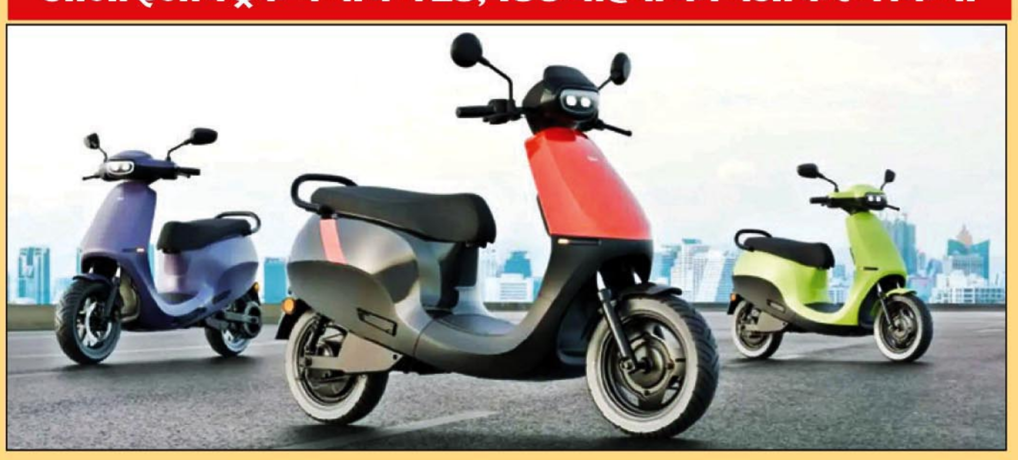

पिछले माह मार्च में में ओला इलेक्ट्रिक ने 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया। कंपनी बयान के अनुसार, दैनिक पंजीकरण की संख्या और लंबित आपूर्ति निपटान में लगातार सुधार हो रहा है। इसमें कहा गया कि हमने फरवरी की लंबित आपूर्ति का लगभग निपटान कर दिया है। उम्मीद है कि फरवरी-मार्च में पंजीकृत अन्य वाहनों की आपूर्ति अप्रैल 2025 तक कर दी जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसने मार्च 2025 में अपने 'जेन-3' खंड की आपूर्ति भी शुरू कर दी है। मार्च में उत्पादन बढ़ा दिया था। तेज आपूर्ति और बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए अप्रैल में इसे और बढ़ाना जारी रखेंगे।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री मार्च में 34 प्रतिशत बढ़कर 1,01,021 इकाई

नई दिल्ली

मीडिया साइज की मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की मार्च में कुल बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 1,01,021 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 75,551 इकाई रही थी। रॉयल एनफील्ड ने मंगलवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री पिछले महीने 88,050 इकाई रही, जो मार्च 2024 की 66,044 इकाई से 33 प्रतिशत अधिक है।

निर्यात भी 36 प्रतिशत बढ़कर 12,971 इकाई हो गया, जबकि मार्च 2024 में यह 9,507 इकाई रहा था। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में उसने 10 लाख इकाई का आंकड़ा पार करते हुए अपनी अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री दर्ज की। वित्त वर्ष 2024-25 में उसकी कुल बिक्री 10,09,900 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2023-24 की 9,12,732 इकाई से 11 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू बिक्री 9,02,757 इकाई रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 की 8,34,795 इकाई से आठ प्रतिशत अधिक है। निर्यात भी सालाना आधार पर 37 प्रतिशत बढ़कर 1,07,143 इकाई हो गया। रॉयल एनफील्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह वर्ष रॉयल एनफील्ड के लिए बेहतरीन रहा है। वार्षिक बिक्री में 10 लाख का आंकड़ा पार करना इस बात का प्रमाण है कि हमने क्या कुछ हासिल कर लिया है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान के अनुसार 2 अप्रैल से रिसिप्रोकल टैरिफ लागू होने की बात के कारण ग्लोबल मार्केट में डर का माहौल बना हुआ है। इस वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। हालांकि आखिरी वक्त में वॉल स्ट्रीट के सूचकांक निचले स्तर से मामूली रिकवरी करने के बाद मिले-जुले अंदाज में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,611.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.14 प्रतिशत

की गिरावट के साथ 17,299.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 126.11 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,875.65 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,582.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 125.37 अंक यानी 1.61 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 7,790.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 298.03 अंक यानी 1.34 प्रतिशत फिसल कर 22,163.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। वहीं इंडोनेशिया के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,603.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.20 प्रतिशत लुढ़क कर 35,546.21 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,964.10 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, हैंग सेंग इंडेक्स 279.80 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,399.38 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.02 प्रतिशत उछल कर 1,170.07 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 493.65 अंक यानी 2.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,189.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

विश्व मुक्केबाजी कप 2025 : लक्ष्य चाहर की हार के साथ भारत ने किया अभियान का आगाज

फोज़ डू इगुआकु (ब्राजील)

विश्व मुक्केबाजी कप 2025 में लक्ष्य चाहर का अभियान 80 किग्रा के शुरुआती मुकाबले में ब्राजील के वांडरले परेरा के सामने 0-5 से निराशाजनक हार के साथ शुरू हुआ।

मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैंपियन चाहर को सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को परेरा के रूप में एक कठिन प्रतिद्वंद्वी का सामना करना पड़ा, जो 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता और पेरिस ओलंपियन हैं। परेरा ने रिंग में चाहर को पछाड़ दिया, जिसमें एक जज को छोड़कर सभी ने उन्हें 30 अंक दिए। ब्राजील के इस खिलाड़ी ने 150 में से 149 का लगभग पूर्ण स्कोर हासिल किया, जबकि चाहर ने 135 अंक हासिल किए।

यह हार विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण शुरुआत है, जो कि 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल होने से पहले फरवरी में विश्व मुक्केबाजी को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से अनंतिम मान्यता मिलने के बाद पहला आयोजन है। यह नए शुरू किए गए भार वर्गों के तहत प्रतिस्पर्धा करने वाले भारतीय मुक्केबाजों के लिए पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता भी है।

छह दिवसीय टूर्नामेंट के दूसरे दिन तीन अन्य भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा), निखिल दुबे (75 किग्रा), और जुगनू (85 किग्रा) रिंग में उतरेंगे। जदुमनी का सामना ग्रेट ब्रिटेन के एलिस ट्रोब्रिज से होगा, जो क्वार्टर फाइनल में एक मुश्किल मुकाबला होगा। निखिल का मुकाबला स्थानीय मुक्केबाज काऊ बेलिनी से होगा, जबकि जुगनू का मुकाबला फ्रांस के अब्दुलाये ट्रोरे से होगा। यह प्रतियोगिता भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण चरण है, क्योंकि यह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मील के पत्थर के साथ संरेखित है, जो मुक्केबाजों को 2028 ओलंपिक से पहले अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करती है।

न्यूज़ ब्रीफ

सीनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2025 में आयकर विभाग के खिलाड़ियों का जलवा

नई दिल्ली। गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में 26 से 29 मार्च तक आयोजित सीनियर नेशनल कराटे

चैंपियनशिप में आयकर खेल और मनोरंजन क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में देशभर से 31 राज्यों के कराटे खिलाड़ी, एसएससीबी,आईटीबीपी और असम राइफल्स की टीमें शामिल हुई। आयकर खेल और मनोरंजन क्लब ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि आयकर विभाग के खिलाड़ी अनिकेत गुप्ता ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रजत पदक जीते। यह विश्व कराटे महासंघ (डब्ल्यूकेएफ)और एशियाई कराटे महासंघ (एकेएफ) की ओर से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनका 42वां पदक है। खास बात यह है कि अनिकेत लगातार 18 वर्षों से पदक जीतते आ रहे हैं, जो उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। प्रतियोगिता में दीपिका धीमान ने भी शानदार प्रदर्शन किया और दो रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। यह डब्ल्यूकेएफ और एकेएफ द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनकी 30वीं पदक जीत है। दीपिका ने पिछले 15 वर्षों से लगातार पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अनिकेत और दीपिका दोनों को आगामी सीनियर एशियाई कराटे चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है, जो मई 2025 में ताशकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के आयोजन में तेलंगाना सरकार, तेलंगाना खेल प्राधिकरण, तेलंगाना खेल परिषद और राज्य कराटे संघ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानव ठक्कर ने आईटीटीएफ वर्ल्ड रैंकिंग के टॉप 50 में जगह बनाई

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानव ठक्कर ने अपने करियर की बड़ी उपलब्धि हासिल

करते हुए पहली बार आईटीटीएफ वर्ल्ड रैंकिंग के टॉप 50 में जगह बना ली है। वह अब दुनिया में 47वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। इस बीच, स्नेहित सुरवज्जुला ने पहली बार शीर्ष 100 में जगह बनाते हुए 89वां स्थान हासिल किया है। एक मार्मिक मोड़ में, शरत कमल, जिन्होंने प्रतिस्पर्धी टेबल टेनिस से संन्यास की घोषणा की थी, ने विश्व नंबर 80 पर अपने शानदार करियर का समापन किया। अपने अंतिम मैच में कमल पर सुरवज्जुला की जीत ने अनुभवी के करियर का प्रतीकात्मक अंत कर दिया। चेन्नई में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर में भारत का अभियान रविवार को समाप्त हो गया, जब ठक्कर को पुरुष एकल सेमीफाइनल में फ्रांस के विश्व नंबर 54 थिबॉल्ट पोरेट से 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष के रूप में इतिहास रचने वाले ठक्कर ने जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में एक उच्च-ऊर्जा मैच में कड़ी टक्कर दी। जोशीले प्रयास के बावजूद ठक्कर को अंततः 20 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी ने मात दी, जिसने 12-10, 11-9, 7-11 और 11-7 के स्कोर के साथ जीत हासिल की।

रोमानिया के जियानु ने तिरिआक ओपन में दर्ज की पहली जीत

बुकारेस्ट। रोमानिया के टेनिस खिलाड़ी फिलिप क्रिस्टियन जियानु ने तिरिआक ओपन के पहले दौर में

अमेरिकी निशेश बसवारेड्डी को 6-3, 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। 23 वर्षीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी, जो एटीपी रैंकिंग में 241वें स्थान पर हैं, ने 108वीं रैंकिंग वाले बसवारेड्डी को 93 मिनट में पराजित किया। हालांकि, अमेरिकी खिलाड़ी ने अधिक विनर (22-13) लगाए, लेकिन उन्होंने ज्यादा अनफोर्स्ड एरर (16-9) भी किए, जिसका फायदा जियानु को मिला। इस जीत के साथ जियानु को 10,460 यूरो (11,317 अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि और 25 एटीपी अंक मिले। अब वे प्री-क्वार्टर फाइनल में वैलेंटिन वाशेरोट या दामिर जुहुमर में से किसी एक से भिड़ेंगे। वहीं, एक अन्य रोमानियाई खिलाड़ी, लुका प्रेडा, पहले दौर में वाशेरोट से 6-2, 6-3 से हारकर बाहर हो गए। उन्हें 3,200 यूरो (3,462 अमेरिकी डॉलर) और 7 एटीपी अंक प्राप्त हुए। तिरिआक ओपन, जो एक एटीपी 250 क्ले कोर्ट टूर्नामेंट है, 31 मार्च से 6 अप्रैल तक बुकारेस्ट के नेशनल टेनिस सेंटर में खेला जा रहा है।

वंदना कटारिया ने की अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा

नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा कर दी है, जिससे एक असाधारण करियर का समापन हो गया। 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 158 गोल करने वाली वंदना भारतीय महिला हॉकी इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी के रूप में विदाई ले रही हैं। आंकड़ों से कहीं अधिक, वह एक प्रेरणादायक धरोहर छोड़कर जा रही हैं, जो एक संघर्ष, संकल्प और भारतीय महिला हॉकी को उच्च शिखर पर पहुंचाने की अनवरत भूख की कहानी है।

एक युग का अंत

वंदना ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अपने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह निर्णय आसान नहीं था, लेकिन मुझे पता है कि अब सही समय है। हॉकी मेरी जिंदगी रही है, और भारतीय जर्सी पहनना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। लेकिन हर यात्रा का एक अंत होता है, और मैं गर्व, आभार और खेल के प्रति अपार प्रेम के साथ छोड़ रही हूं। भारतीय हॉकी अच्छे हाथों में है, और मैं हमेशा इसकी सबसे बड़ी समर्थक रहूंगी। उन्होंने लिखा, मैं अपने कोच, टीम साथियों, समर्थन कर्मचारियों, हॉकी इंडिया, परिवार और सभी फैंस का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मेरे साथ हर कदम पर समर्थन किया। उनके हर एक चीयर, संदेश और प्रोत्साहन ने मुझे बहुत कुछ दिया।

शानदार करियर और ऐतिहासिक क्षण

वंदना का हॉकी में सफर एक छोटे से गांव रौशनाबाद, हरिद्वार से शुरू हुआ था, जहां से वह अपने सपने को सच करने के लिए निकली थीं। वंदना ने 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण किया और तब से लेकर आज तक उन्होंने कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इनमें दो ओलंपिक (रियो 2016, टोक्यो 2020), दो एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप (2018, 2022), तीन कॉमनवेल्थ गेम्स (2014, 2018, 2022) और तीन एशियाई खेल (2014, 2018, 2022) शामिल हैं। वंदना की टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें 2016 और 2023 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2022 में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप और 2018 एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पदक शामिल हैं।

टोक्यो ओलंपिक में रचा इतिहास

वंदना की टोक्यो ओलंपिक में तीन गोल की हैट्रिक हमेशा याद की जाएगी। यह गोल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारत की महत्वपूर्ण 4-3 की जीत में मददगार साबित हुए, जिससे भारत क्वार्टरफाइनल में पहुंचा और अंतत: चौथे स्थान पर रहा—यह भारत का ओलंपिक हॉकी में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था। वंदना ने इस बारे में कहा, मैं आज भी टोक्यो के बारे में सोचकर रोमांचित हो जाती हूं। ओलंपिक खास होते हैं, और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह मैच मेरे जीवन के सबसे भावुक मैचों में से एक था। मैं बस अपनी टीम और देश के लिए हर कुछ देना चाहती थी। हैट्रिक खास थी, लेकिन उससे ज्यादा यह साबित करना था कि हम इस मंच पर हैं।

प्रतिष्ठित पुरस्कार

अपने अद्वितीय योगदान के लिए वंदना को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया, जिनमें अर्जुन पुरस्कार (2021) और पद्म श्री (2022) शामिल हैं। इसके अलावा, उन्हें 2014 में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवार्ड, 2021 में हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट्स अवार्ड और 2021-22 में हॉकी इंडिया धनराज पिल्ले अवार्ड जैसे कई अन्य पुरस्कार भी मिले।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने वंदना के योगदान को सराहा और कहा, वंदना सिर्फ गोल स्कोरर नहीं थीं, वह भारतीय हमले की धड़कन थीं, एक मेहनती खिलाड़ी और उदाहरण के रूप में नेता थीं। उनका योगदान भारतीय हॉकी की बढ़ती स्थिति में अहम रहा है, और उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेंचमार्क स्थापित किया है। हॉकी इंडिया के सचिव भोला नाथ सिंह ने वंदना की यात्रा को प्रेरणादायक बताया और कहा, वंदना का सफर असाधारण रहा है। उनकी प्रदर्शन, खासकर टोक्यो ओलंपिक में, आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा।

हर मैच से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है : रमनदीप सिंह

मुंबई

डिफेंडिंग चैंपियंस कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए टाटा आईपीएल 2025 के मैच में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। केकेआर के लिए रमनदीप सिंह की 12 गेंदों पर 22 रन की ताबड़तोड़ पारी, अंगकृष रघुवंशी के 16 गेंदों पर 26 रन और आंद्रे रसल के दो विकेट प्रमुख आकर्षण रहे, लेकिन इसके बावजूद मुंबई इंडियन्स ने 117 रनों का लक्ष्य आराम से हासिल कर लिया।

हार के बावजूद केकेआर के ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, किसी भी टीम का पतन हो सकता है, चाहे स्थिति कैसी भी हो। जाहिर तौर पर यह निचले क्रम को मौके देता है, लेकिन आज रात हम दुर्भाग्यशाली रहे।

हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे कि आगामी टूर्नामेंट में हम ऐसी स्थिति में खुद को न पाएं। रमनदीप ने टीम की आक्रामक बल्लेबाजी के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए कहा कि वे इस प्रदर्शन से सीख सकते हैं। उन्होंने कहा, हम टीम के हर खिलाड़ी को उनके प्राकृतिक तरीके से खेलने के लिए समर्थन करते हैं। कभी-कभी यह काम नहीं करता, लेकिन यह जरूरी है कि हम अपने खिलाड़ियों को समर्थन दें, ताकि वे अपने 100 प्रतिशत दे सकें और आक्रामक अंदाज में खेल सकें।

उन्होंने आगे कहा, हम समझते हैं कि साझेदारियां बहुत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अगर अंगकृष और रिंकू का आक्रामक खेल सफल हो जाता, तो हम उनकी सराहना करते। कभी-कभी आपका दिन नहीं होता, लेकिन हर खेल से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच की स्थितियों पर रमनदीप ने कहा कि टॉस का बड़ा प्रभाव था। उन्होंने कहा, मुंबई इंडियन्स के लिए टॉस जीतना अच्छा था। उन्हें कुछ फायदा था, क्योंकि दूसरी पारी में भी नई गेंद से गेंदबाजों को थोड़ी सी मूवमेंट मिल रही थी और स्पिनरों को भी कुछ टर्न मिल रहा था। हालांकि, हम इसे बहाना नहीं बना सकते। हमें हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

रमनदीप ने अंत में कहा, आज की विकेट ऐसी थी कि पहले सेट होने की जरूरत थी, फिर जाकर छक्के मारने का सोचना था। सामान्यत: ऐसा नहीं होता, लेकिन आज कुछ अलग था।

कोलकाता नाइट राइडर्स 3 अप्रैल को ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वापसी करने के लिए तैयार है।

जैस्मिन पाओलिनी ने कोच रेंजो फुरलान से 10 साल बाद नाता तोड़ा

इटली की टेनिस स्टार जैस्मिन पाओलिनी ने अपने कोच रेंजो फुरलान से 10 साल बाद अलग होने की घोषणा की है। 29 वर्षीय पाओलिनी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर यह जानकारी साझा की। 10 अद्भुत सालों के बाद, मैं रेंजो फुरलान को उनके योगदान के लिए तहे दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूं। उन्होंने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी, पाओलिनी ने लिखा। फुरलान के मार्गदर्शन में पाओलिनी ने शानदार प्रगति की। 2024 में वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन की उपविजेता रहीं, पेरिस ओलंपिक में डबल्स स्वर्ण पदक जीता और इटली को बिली जीन किंग कप जीतने में मदद की। इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह दुनिया की नंबर चार खिलाड़ी बनीं। फुरलान को उनके बेहतरीन कोचिंग योगदान के लिए डब्ल्यूटीए कोच ऑफ द ईयर का सम्मान भी मिला। पाओलिनी ने फुरलान के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, रेंजो मेरे लिए सिर्फ एक कोच ही नहीं, बल्कि मेरे व्यक्तित्व के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्ति रहे हैं। उनसे मिली सीख हमेशा मेरे साथ रहेगी।

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान स्टोक्स फिटनेस के कारण शुरुआती काउंटी मैचों से बाहर

लंदन

इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के काउंटी चैंपियनशिप के शुरुआती मुकाबलों में खेलने की संभावना बेहद कम है। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की। स्टोक्स इस समय हैमस्ट्रिंग की सर्जरी के बाद फिटनेस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

33 वर्षीय स्टोक्स को पिछले साल दिसंबर में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट लगी थी। यह पांच महीनों में दूसरी बार था जब उन्हें यह समस्या हुई, जिसके कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी।

इंग्लैंड को मई में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसके बाद भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की अहम सीरीज होगी। साल के अंत में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में एशेज के लिए भी उतरना है।

डरहम की टीम मई में जिम्बाब्वे टेस्ट से पहले छह काउंटी चैंपियनशिप मैच खेलेगी, लेकिन स्टोक्स के इन मुकाबलों में खेलने की संभावना नहीं है।

डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि टीम को सिर्फ स्टोक्स ही नहीं, बल्कि इंग्लैंड के तेज

गेंदबाज ब्रायडन कार्स (पैर की चोट) और मार्क वुड (घुटने की चोट) की भी कमी खलेगी। कैंपबेल ने कहा, स्टोक्स, कार्स और वुड का हमारे लिए खेलना फिलहाल मुश्किल लग रहा है। उनकी प्राथमिकता इंग्लैंड के लिए पूरी तरह से फिट होना है। स्टोक्स ने सर्जरी के अगले ही दिन वेट लिफ्टिंग शुरू कर दी थी, जो उनकी दृढ़ता को दर्शाता है। वह टीम के लिए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं। ब्रायडन कार्स ने पाकिस्तान के खिलाफ अक्टूबर 2024 में टेस्ट डेब्यू किया था और शानदार प्रदर्शन करते हुए 19.85 की औसत से 27 विकेट झटके थे। कोच कैंपबेल ने कहा कि इंग्लैंड उनके टैलेंट को लेकर गंभीर है, लेकिन उनकी फिटनेस को लेकर सावधानी बरती जा रही है। कैंपबेल ने कहा, कार्स इस समय इंग्लैंड के लिए बेहद अहम खिलाड़ी हैं। उनके अंदर टेस्ट क्रिकेट के लिए गजब की क्षमता है, लेकिन पैर की चोट से वह जूझ रहे हैं।

सीए ने 2025-26 के लिए केंद्रीय अनुबंधों का किया ऐलान, सैम कॉन्स्टस को पहली बार मिला मौका

मेलबर्न

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को 2025-26 सीजन के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची जारी की। इस बार 23 खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध मिला,जिसमें युवा सलामी बल्लेबाज सैम कॉन्स्टस को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। यह फैसला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल और एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

महज 19 साल की उम्र में सैम कॉन्स्टस ने शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। उन्होंने मेलबर्न बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था, जहां उन्होंने 65 गेंदों में 60 रन बनाए। उनकी पारी में छह चौके और दो छक्के शामिल थे।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बैली ने कहा, सैम में हमें एक होनहार खिलाड़ी दिखता है, जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर सुधार करेगा।

बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन को भी इस साल अनुबंधित सूची में जगह दी गई है। 28 वर्षीय कुहनेमैन ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 16 विकेट लेकर 'सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का पुरस्कार जीता। हालांकि, संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन को लेकर उन पर सवाल उठे थे, लेकिन ब्रिस्बेन के नेशनल क्रिकेट सेंटर में परीक्षण के बाद उन्हें क्लीन चिट दे दी गई।

बैली ने मैथ्यू ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था और हमें लगता है कि वह अगले 18 महीनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हरफनमौला खिलाड़ी ब्यू वेबस्टर, जिन्होंने इस साल भारत के खिलाफ सिडनी टेस्ट में डेब्यू किया था, को भी अनुबंध सूची में बरकरार रखा गया है। उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की। बैली ने ब्यू ने टेस्ट क्रिकेट में बेहतरीन खेल दिखाया और बल्ले-बॉल दोनों से टीम को संतुलन दिया। उनका योगदान मैदान पर भी अहम रहा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के 2025-26 सीजन के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी ज़ेवियर बार्टलेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कॉन्स्टस, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, झाय रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर, एडम ज़म्पा।

क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी, शाई होप बने टी20 कप्तान

नई दिल्ली। क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। ब्रैथवेट ने चार साल तक टीम का नेतृत्व किया। वहीं, शाई होप को वेस्टइंडीज टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने सोमवार को उक्त जानकारी दी। 32 वर्षीय ब्रैथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। दूसरी ओर, शाई होप, जो पहले से ही वनडे टीम के कप्तान हैं, अब रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम का नेतृत्व करेंगे। पॉवेल मई 2023 से टी20 टीम की कप्तानी कर रहे थे। सीडब्ल्यूआई के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने बोर्ड के एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर जारी एक बयान में कहा, टीम के विकास और 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए शाई होप को कप्तान नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। ब्रैथवेट के नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत ब्रैथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने कई ऐतिहासिक जीत दर्ज कीं। पिछले साल, उनकी अगुवाई में टीम ने ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 27 वर्षों में पहली टेस्ट जीत हासिल की थी। इसी साल पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में एक ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सीरीज़ बराबर करने का कारनामा किया, जो 34 वर्षों में पहली बार हुआ था। उनकी कप्तानी में 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज़ में जीत मिली, जबकि 2021 में कोविड-19 महामारी के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से टेस्ट सीरीज़ जीती थी। कप्तानी छोड़ने का कारण सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में कहा, ब्रैथवेट चाहते थे कि उनकी विदाई से पहले टीम को बदलाव का पर्याप्त समय मिले।

कब्ज रहता है तो इस्तेमाल करें नारियल का तेल

भागमभाग भरी इस जिंदगी में अक्सर लोग ये जानते हुए भी कि जंक फूड में मैदे, पनीर, मक्खन, नमक और चीनी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है, जंक फूड को बहुत ज्यादा महत्व देते हैं। इससे सेहत संबंधी कई समस्याएं सामने आती हैं। इन समस्याओं में सबसे ऊपर है पाचन की समस्या। इसके अलावा दवाओं के इस्तेमाल, गर्भवती महिलाओं के हार्मोन के असंतुलन और व्यायाम न करने से होने वाली कब्ज जैसी समस्याएं आम हैं। अपच से पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन और दैनिक कार्यों में एकाग्रता की कमी जैसी कई मुश्किलें आती हैं। कब्ज से तो कालोरेक्टल कैंसर होने की भी आशंका हो सकती है।

कब्ज में फायदेमंद

लेकिन कब्ज या अपच जैसी बीमारियों को रोकने का बहुत ही आसान-सा समाधान है। खाना बनाते समय अगर तेल पर ध्यान दिया जाए तो यह समस्या बहुत आसानी से हल हो सकती है। नारियल तेल के थोड़े मीठे स्वाद के कारण खाना बनाने में इसका इस्तेमाल बहुत कम लोग करते हैं। लेकिन शायद आपको यह जान कर ताज्जुब होगा कि अगर आपको कब्ज या पाचन संबंधी अन्य तकलीफ रहती है तो नारियल का तेल आपकी तकलीफों को खत्म कर सकता है।

पाचनशक्ति रहे दुरुस्त

दरअसल नारियल तेल में मीडियम चेन फैटी एसिड होता है, जो अन्य वसायुक्त तेलों के मुकाबले ज्यादा घुलनशील है और इसी वजह से नारियल तेल को पचाने में हमारे शरीर को काफी आसानी होती है। दूसरे रिफाइंड तेल में लॉन्ग चेन फैटी एसिड होते हैं, जिन्हें पचाने में काफी समय लगता है। इसलिए सलाद ड्रैसिंग जैसे व्यंजन बनाते समय नारियल तेल की कुछ बूंदों का उपयोग सेहत के लिए तो फायदेमंद साबित होगा ही, उस व्यंजन का स्वाद भी और बेहतर हो जाएगा। दूसरे वसायुक्त तेल पाचन क्रिया में बहुत अधिक समय लेते हैं, लेकिन नारियल का तेल अन्य वसा के मुकाबले जल्दी पचता है और तत्काल ऊर्जा देता है। इस तेल को खाने से सुस्ती भी नहीं आती। इसके अलावा इसमें फाइबर की मात्र बहुत ज्यादा होती है और यह पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है।

संक्रमण से बचाए

नारियल तेल में एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो अपच की समस्या से लड़ने में मदद करते हैं। ये विटामिन, खनिज लवण और अमीनो एसिड को अवशोषित करने में सक्षम होते हैं। वर्जिन नारियल तेल में एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल और एंटी वायरल एजेंट्स होते हैं, जो पाचन क्रिया को बढ़ाते हैं और कई तरह के संक्रमण को रोकने में मदद करते हैं।

कई दर्द में राहत दे

कब्ज की समस्या और खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने के अलावा वर्जिन नारियल तेल कई संक्रमणों जैसे कि उल्टी, खांसी, घाव को कम करने, कान के दर्द को कम करने, दांत दर्द कम करने, पेट दर्द, निमोनिया, बच्चों के डायपर से होने वाले रैश को कम करने, मधुमेह, दाद और हेपेटाइटिस को रोकने में अहम भूमिका निभाता है।

कई बार ऐसा होता है, जब अचानक तकलीफ होती है और आप डॉक्टर के लिए बेचैन हो जाते हैं। ऐसी कई तकलीफों की अचूक दवा आपकी रसोई में होती है, कई असाध्य बीमारियों का आसान इलाज हमारे घर में ही उपलब्ध होता है, लेकिन जानकारी के अभाव में हम उसका लाभ नहीं उठा पाते। दादी-नानी के इन नुस्खों की जानकारी समय पर काफी सहायक साबित होती है। जानते हैं ऐसे कुछ अचूक उपाय।

आपकी रसोई में छिपा है कई बीमारियों का पचार

अस्थमा

अगर आपको अस्थमा है तो आधा चम्मच दालचीनी पाउडर थोड़े-से शहद में मिला कर रोज रात में लें। यह आपकी श्वांस नली में सूजन और संक्रमण को कम कर तकलीफ से निजात दिलाएगा।

खांसी

तुलसी के हरे पत्ते लें, इन्हें मसल कर इनका रस निकाल लें, शहद और काली मिर्च के साथ मिला कर लें। इससे न सिर्फ सूखी खांसी से हुआ गले का रूखापन कम होगा, बल्कि यह कफ साफ करने में भी मददगार साबित होगा।

कील मुहांसे

कील, मुहांसे अक्सर युवाओं को परेशान करते रहते हैं और बेदाग त्वचा पाने के लिए लोग हर संभव प्रयास करते हैं। अगर आप भी इस तरह की समस्या से परेशान हैं तो एक छोटे चम्मच नींबू के रस में एक चम्मच गुलाब जल मिलाएं। कॉटन से इसे चेहरे पर लगाएं। आधे घंटे बाद इसे ताजे पानी से धो लें। ऐसा हर 10-15 दिन में एक बार करें।

सिरदर्द

सिरदर्द से परेशान हैं तो दो चम्मच अदरक का रस प्याज और नींबू के रस में मिलाएं और पी जाएं। अगर आपको अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है तो इसे ज्यादा मात्र में बना कर स्टोर भी कर सकते हैं।

अपच

अपच होने पर एक बड़ा चम्मच अनार का जूस, एक छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर एक छोटे चम्मच गुड़ के साथ मिलाएं। इसे दिन में दो-तीन बार लें। इससे अपच की समस्या से तुरंत आराम मिलेगा।

खुजलाहट

अगर आपको मामूली स्किन एलर्जी हुई है और खुजलाहट हो रही है तो तुरंत आराम के लिए हल्दी पाउडर में अजवाइन का पाउडर मिला कर लगाएं। प्याज का रस भी खुजलाहट वाली जगह पर लगाने से आराम मिलता है। दरअसल इन चीजों में पर्याप्त मात्र में एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो संक्रमण से राहत दिलाता है।

खराब पाचन

अदरक पाउडर, घी और गुड़ बराबर मात्र में मिलाएं। इसकी छोटी-छोटी गोलियां बना कर रख लें और खाना खाने के बाद एक गोली खाएं। इससे आपका मेटाबोलिक सिस्टम ठीक हो जाएगा।

खराब गला

लौंग, अदरक और तुलसी के पत्ते पानी में उबालें और छान कर पी लें। एक चम्मच चाय की हरी पत्तियां पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न हो जाए। इसमें थोड़ा-सा नमक डालें और पी लें। इससे आपको तुरंत आराम मिलेगा।

पेट में दर्द

अजवाइन को पानी के साथ पीस लें और इसमें हींग मिला कर नाभि के आसपास लेप लगाएं। इससे पेट दर्द से तुरंत राहत मिलेगी।

छींक से राहत

दो चम्मच अजवाइन तवे पर भून लें। इसे एक रूमाल में बांध कर सूंघें।

डायरिया

एक छोटा चम्मच मेथी दाना लें, इसे एक चम्मच दही के साथ बिना चबाए खा लें, इससे डायरिया में तुरंत आराम मिलेगा। अगर दिक्कत ज्यादा है तो इसे दिन में दो बार लें। मेथी के दाने पानी के साथ भी ले सकते हैं। नींबू के रस में नमक डालें और इसे बिना पानी मिलाए मेथी के दाने इसके साथ निगल लें। पेट में ऐंठन और डायरिया से आराम के लिए एक चम्मच भुना जीरा और एक चम्मच सौंफ हर दो-तीन घंटे के अंतराल में पानी के साथ लें।

स्वस्थ रहना है तो सोना सीखिए

हर किसी के सोने की खास मुद्रा यानी स्लीपिंग पोजिशन होती है। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए। कुछ लोग बिस्तर पर लेटते तो सामान्य पोजिशन में हैं, पर जैसे-जैसे नींद गहराती है, उनकी मुद्रा तरह-तरह के आकार ले लेती है। बात रोचक भले ही लगे, मगर मत भूलिए कि ये मुद्राएं आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती हैं। कुछ आपको सेहत लाभ देती हैं तो कुछ आपकी सेहत को बिगाड़ भी सकती हैं।

शरीर को पुन सक्रिय और स्वस्थ बनाने के लिए नींद बेहद जरूरी है, जिसे 'रेस्टोरेशन एंड रिकवरी थ्योरी ऑफ स्लीप' कहते हैं। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए, मगर कुछ मुद्राएं इससे भी अलग और रोचक होती हैं। हर व्यक्ति की सोने की खास मुद्रा होती है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोने के समय आपके शरीर की हर मुद्रा आपकी मनोदशा उजागर करती है। यों तो हर उम्र की खास मुद्राएं होती हैं, मगर युवा अवस्था में सबसे अधिक निद्रा मुद्राएं होती हैं। यह मुद्राएं शरीर को प्रभावित करती हैं और सीधे व्यक्ति के तन और मन की सेहत से जुड़ती हैं। यहां तक कि शरीर में पनपते कुछ रोग विशेष निद्रा मुद्रा के कारण गंभीर अवस्था में भी आ जाते हैं तो वहीं कुछ निद्रा मुद्राएं शरीर को आराम पहुंचा कर स्वास्थ्य लाभ कराती हैं।

फुल फीट्स पोजिशन

शरीर को आनंद देने और आराम पहुंचाने वाली श्रेष्ठ मुद्रा है 'फुल फीट्स पोजिशन। अगर आप अपने पैरों को ठोड़ी की ओर मोड़ कर सोते हैं तो आप पूर्ण आनंदमयी मुद्रा में हैं। इससे आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। तंत्रिका तंत्र में कोई तनाव नहीं रहता।

डाउन टुवर्डस बेड

इस कड़ी में दूसरी आम मुद्रा है 'अधो मुख'। यह मुद्रा असल में निद्रावस्था का जागृतावस्था से रिश्ता बताती है। इस निद्रावस्था में पेट के बल सोते हुए पैर सीधे फैले रहते हैं और हाथ सिर की ओर होते हुए या तो सिर को थामे रहते हैं या फिर कैंची का आकार बना लेते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से इसे बेहतर निद्रा मुद्रा नहीं कहा जा सकता। चूंकि इस तरह सोने वाला निद्रा जगत और चेतना जगत दोनों पर हावी रहता है, इसलिए वह दिनभर की उधेड़बुन को छोड़ नहीं पाता और तनाव में रहता है। मोटे तौर पर यह शरीर को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ले जाने वाली अवस्था है। जिन युवाओं या बच्चों में सोते में 'दांत पीसने' की आदत है, उनके लिए यह खतरनाक मुद्रा है। यह निचले जबड़े को दांतों से घायल कर सकती है। दूसरे जिन्हें अपच यानी बिगड़ी पाचन क्रिया की शिकायत है, उनके लिए भी यह मुद्रा नुकसानदेह है। ज्ञात हो कि पाचन तंत्र चित्त अवस्था में बेहतर कार्य करता है। जिन लोगों को खर्राटे लेने की आदत है, वह यदि इस मुद्रा में सोते हैं तो उनके खर्राटे रुक जाते हैं, कारण गुरुत्वाकर्षण के विपरीत होने के कारण यह गले की मांसपेशियों को झोल देने से रोकती है और खर्राटे नहीं आते, मगर यह मुद्रा गले को अवरुद्ध यानी 'चोक' भी कर सकती है।

पिलो होल्डिंग स्लीपिंग पोजिशन

इसमें व्यक्ति पीठ के बल लेटता है, मगर अपने सीने पर दोनों हाथों से तकिया या फिर जाड़ों में रजाई दबाए रहता है। यह मुद्रा तल्लीनता का भाव जगाती है। जो युवा अपने अध्ययन के प्रति समर्पित हैं, वह अकसर ऐसे ही सोते हैं। चिकित्सीय आधार पर यह बेहतर नींद दिलाने वाली मुद्रा है। अगर आप 'इनसोमेनिया' यानी अनिद्रा के शिकार हैं तो यह बेहतर मुद्रा है।

चेन गेंग पॉजिशन

एक अन्य मुद्रा है कड़ी मुद्रा या 'चेन गेंग पोजिशन'। इसमें सोने वाले हाथ पैर की एक कैंची-सी बना डालते हैं यानी हाथ ऊपर की ओर एक कड़ी बनाते हैं तो पैर नीचे की ओर। इस प्रकार सोने वाले 'फोबिया' यानी भय से पीड़ित होते हैं। यह मुद्रा कुंवारी लड़कियों में अधिक पाई जाती है। चिकित्सीय विश्लेषण के अनुसार यह भय एक ग्रंथि बन मानसिक रोग पनपाता है, अत-इस मुद्रा से बचना चाहिए।

स्पिंक्स पोजिशन

स्पिंक्स पोजिशन यानी रहस्यमयी मुद्रा। इसमें व्यक्ति असाधारण रूप से घुटने के सहारे नितम्ब उठाए रहता है तथा सिर को हथेली से थामे रहता है मानो दण्डवत प्रणाम कर रहा हो। हालांकि यह बच्चों की सामान्य निद्रा मुद्रा है, मगर युवाओं को भी इस मुद्रा में सोते देखा जा सकता है। यह उदर विकार को दर्शाती है। पूरे शरीर को मोड़ गुरुत्वाकर्षण के विपरीत रख कर सो जाना आंतरिक अंगों को भी प्रभावित करता है, अत-इस मुद्रा से बचें।

स्वास्तिक मुद्रा

यह जागृतावस्था और स्वप्नावस्था का सीधा सामंजस्य दर्शाती है। इसमें पेट के बल सोते हैं। दाहिना हाथ ऊपर की ओर और बायां हाथ नीचे की ओर रहता है। इसी तरह दायां पैर घुटने से मुड़ कर ऊपर की ओर रहता है और बायां सीधा रहता है। इस तरह सोने वाले लोग पूरे पलंग पर हावी रहते हैं। इस मुद्रा में उदर में समाए अंग गुरुत्वाकर्षण के विपरीत जाते हैं, अत-विभिन्न विकारों की संभावना रहती है। यह मुद्रा बहुत कम संभव होती है और स्वयं बदल जाती है।

बदलती रहती है निद्रा मुद्राएं

सोने की यह मुद्राएं यहीं समाप्त नहीं हो जातीं। पूरे जीवन में व्यक्ति न केवल मुद्रा बदलते हैं, बल्कि उसके अनुसार उनके रोग भी बदल जाते हैं और स्वास्थ्य प्रभावित होता है। रोचक पहलू यह है कि अधिकांश लोग यह भी नहीं जान पाते कि वह किन-किन मुद्राओं में सोते हैं और उनकी कौन-सी मुद्रा कब बदल जाती है। इसी प्रकार जो मुद्रा वह बहुत पहले लिया करते थे, वह फिर आ जाती है या फिर जो उनकी प्रिय मुद्रा थी, वह अचानक बदल जाती है और उसकी जगह नई मुद्रा आ जाती है।

रोचक बात यह है कि नई मुद्रा पुरानी पर इस हद तक हावी हो जाती है कि वही प्रिय लगने लगती है। अपने स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए अपने से जुड़ी मुद्राएं स्वयं जान कर या दूसरों से पूछ उनकी लिस्ट बनाइए और उनकी संपूर्ण जानकारी लेते हुए उनका अपने से जोड़ कर अध्ययन कीजिए। अगर कुछ दुखदायी, कष्टदायक और रोगवाहक मुद्राएं आप में अब भी पनप रही हैं तो उनसे छुटकारा पाने की कोशिश करें।

बहुत कुछ होता है नींद में

वैज्ञानिक परीक्षणों में पाया गया है कि जब हम सोते हैं तो एकदम भिन्न दशाओं से गुजरते हैं। संवेदी यंत्रों द्वारा प्रयोगशाला में इसे समझा गया है। रिपोर्ट के अनुसार पहली दशा स्लो वेव स्लीप यानी नींद की धीमी गति प्रदर्शित करती है। तरंगित विद्युत प्रक्रिया की यह सबसे धीमी गति पूरे मस्तिष्क से गुजरती है और उसे तरंगित करती है। वहीं दूसरी अवस्था है रेपिड आई मूवमेंट, जिसे रैम पोजिशन भी कहते हैं। इस अवस्था में बंद पलकों में आंख की पुतली तेजी से चलती है। हैरानी की बात तो यह है कि यह मस्तिष्क को झकझोर देती है यानी यह अवस्था जागृतावस्था जैसी ही है। पहली बार शोधकर्ता ने नींद की इस छिपी प्रक्रिया से पर्दा उठाया और पहली बार नींद को समझा। शोधकर्ता ने पता किया कि रैम अवस्था नींद के उस भाग को बताती है, जो अपने आप में पूर्ण गतिशील है। हम जागृतावस्था में आंखों को इतनी तेज गति से नहीं चलाते, जितनी कि रैम अवस्था में चलाते हैं। यह दशा मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखती है। रिपोर्ट बताती है कि नींद आना शरीर की अनोखी जैविक क्रिया है। इस समय शरीर की सामान्य क्रियाएं अपेक्षाकृत धीमी पड़ जाती हैं। मगर रहस्यपूर्ण बात यह है कि सोते समय हमारा पाचनतंत्र काफी सक्रिय हो जाता है।

डिब्बाबंद चीजों पर जरूरी है अच्छी लेबलिंग

डिब्बाबंद खाद्यपदार्थों में नमक की अधिक मात्र लोगों को रोगों का शिकार बना रही है। शोध के अनुसार ब्रिटेन में होने वाले 14 प्रतिशत पेट के कैंसर के मामलों को नमक का कम सेवन करके रोका जा सकता है। ब्रिटेन में प्रत्येक व्यक्ति 8.6 ग्राम नमक खाता है, व्यक्ति को सिर्फ 6 ग्राम नमक खाने की सलाह दी जाती है। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों पर उचित लेबलिंग और तत्वों की स्पष्ट जानकारी कई रोगों से बचा सकती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**